सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-260
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 25 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

समय तो कुम्हार है, हमें उसी के पहिये पर खुद को ढालना है।

क्रिसमस कार्यक्रम में शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में शामिल हुए। कैथोलिक चर्च के मुख्यालय में आयोजित इस तरह के कार्यक्रम में शामिल होने वाले नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां कार्डिनल, बिशप और चर्च के प्रमुख नेताओं सहित ईसाई समुदाय के प्रमुख लोगों से बातचीत भी की। ईसाई समुदाय के लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले वे केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के निवास पर आयोजित क्रिसमस समारोह में शामिल हुए थे और आज वे सीबीसीआई के इस कार्यक्रम में शामिल होकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह अवसर विशेष रूप से इसलिए भी खास है क्योंकि यह सीबीसीआई की 80वीं वर्षगांठ है।

देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना

आज मप्र को केन-बेतवा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट की सौगात देंगे मोदी

खजुराहो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मध्यप्रदेश को केन-बेतवा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट के साथ कई विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री मोदी 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश के खजुराहो में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी खजुराहो में केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई जिलों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इससे इलाके के लाखों किसान परिवारों को लाभ मिलेगा। इस परियोजना से क्षेत्र के लोगों को पेयजल की सुविधा भी मिलेगी। इसके साथ ही, जलविद्युत परियोजनाएं हरित ऊर्जा में 100 मेगावाट से अधिक का योगदान देंगी। इस परियोजना से रोजगार के कई अवसरों का सृजन होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

100वीं जयंती पर पूरा होगा अटलजी का सपना चार दशक से बुंदेलखंड की जनता को जिस दिन का बेसब्री से इंतजार था, वह दिन प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़संकल्प से आ गया है। साथ ही भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का सपना पूरा हुआ। केन-बेतवा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट का शिलान्यास होने जा रहा है। मप्र के 10 जिले और उत्तरप्रदेश के चार जिलों में पेयजल की व्यवस्था सुदृढ़ होगी। परियोजना में होने वाले व्यय का 90 प्रतिशत भार केंद्र सरकार उठाएगी। प्रदेश के ऊपर वित्तीय भार मात्र 10 प्रतिशत आएगा। इस परियोजना से 103 मेगावाट जल विद्युत एवं 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा, जिसका पूरा लाभ मध्यप्रदेश को मिलेगा। बुंदेलखंड का आर्थिक व सामाजिक विकास होगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

ओंकारेश्वर सोलर परियोजना का भी उद्घाटन होगा ऊर्जा की आत्मनिर्भरता और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में स्थापित ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना का भी उद्घाटन करेंगे। यह परियोजना कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी और वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन एमिशन के सरकार के मिशन में योगदान देगी। यह जल संरक्षण में भी मदद करेगी। अटलजी की 100वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। वे 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों की आधारशिला भी रखेंगे। ये भवन स्थानीय स्तर पर सुशासन के लिए ग्राम पंचायतों के कार्य और जिम्मेदारियों के संचालन में अहम रोल अदा करेंगे।

बवाल- राजधानी में दो समुदायों के बीच तलवार, छुरी, लाठी-डंडे चले, जमकर पत्थरबाजी

बच्चों की बात पर बहा खून...

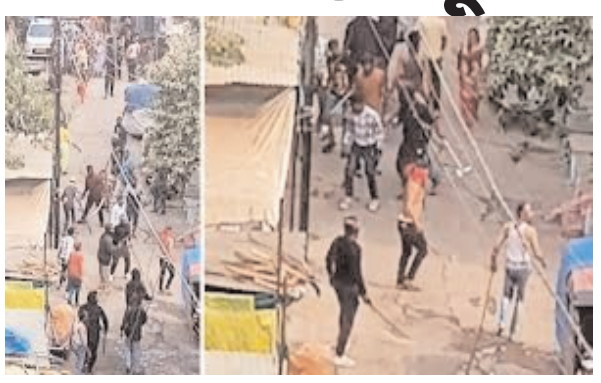

भोपाल। राजधानी भोपाल में मंगलवार की दोपहर बवाल मच गया। शहर के जहांगीराबाद थाना इलाके के सरदार मोहल्ले में दो समुदायों के बीच तलवार, छुरी, लाठी-डंडे चले। उपद्रवियों ने घरों, गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। दोनों समुदायों के बीच तीन दिन पुरानी बात को लेकर तनाव हो गया। दरअसल, एक समुदाय के बच्चे सकरी गली में तेजी से गाड़ी चला रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष सामने सामने आ गए थे। इसके बाद पुलिस की समाझाइश के बाद यह विवाद शांत हो गया था, लेकिन मंगलवार सुबह फिर विवाद बढ़ गया। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर हथियारों के साथ हमला कर दिया। इस हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है। कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिलाओं के हाथ में भी लाठी-डंडे-तलवारें इस झगड़े में महिलाओं के हाथ में भी लाठी-डंडे-तलवारें नजर आईं। महिलाओं ने भी घरों के दरवाजों पर जोरदार हमला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भीड़ हथियार लेकर अचानक पहुंची और घरों-गाड़ियों पर तलवारों से हमला कर दिया। इस दौरान लोगों के हाथ में जो आया वे उसे फेंकने लगे। कई लोगों ने हाथ में पत्थर लेकर लोगों पर फेंके।

रास्ता बंद करने को लेकर विवाद प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक अचानक से 50-60 लोगों ने हमला कर दिया। सामने जो मिल रहा था उसको मार रहे थे। प्रेग्नेंट महिला को धक्का दे दिया। महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया है। राजा पेंटर नाम के युवक के सिर पर तलवार मारी। उसके घर के दरवाजों पर तलवारें मारीं। हमलावरों ने घरों पर भी हमला करने की कोशिश और सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। 3-4 महीनों से रास्ता बंद किया गया है। इसी को लेकर विवाद है।

लड़ाई की जड़ को तलाशने में जुटी पुलिस भीषण तनाव और पत्थरबाजी के बीच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हंगामे को काबू में करने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस लड़ाई की जड़ को तलाशने में जुटी हुई है कि आखिर किसलिए इतना खूनी संघर्ष देखने को मिला। फिलहाल जहांगीराबाद इलाके की पुरानी गल्ला मंडी में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात है, ताकि किसी अनहोनी को घटने से रोका जा सके। डीसीपी जोन 1 प्रियंका शुक्ला ने बताया कि दो दिन पहले तेज बाइक चलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। इसके बाद जहांगीराबाद थाने में पांच लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें से तीन लोगों को पुलिस ने अरेस्ट भी कर लिया था। लेकिन बाकी के दो लोग मौके से फरार हो गए थे।

स्थिति पूरी तरह से कंट्रोल में मंगलवार सुबह विवाद की खबर मिली। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों पक्षों को समझाया गया। फिलहाल लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पूरी तरह से कंट्रोल में है। **-प्रियंका शुक्ला, डीसीपी, जोन 1**

पांच राज्यों के राज्यपाल बदले, आरिफ मोहम्मद खान बिहार के राज्यपाल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को पांच राज्यों के राज्यपाल बदले हैं। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में देशभर के विभिन्न राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। पूर्व सेना प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं आरिफ मोहम्मद खान बिहार के राज्यपाल होंगे। इनके अलावा, पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्यरत रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नए राज्यपालों की नियुक्ति की मंजूरी दी है। डॉ. हरि बाबू कम्भमपति- मिजोरम के वर्तमान राज्यपाल को ओडिशा का राज्यपाल बनाया गया है। जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

पांच राज्यों के राज्यपाल बदले, आरिफ मोहम्मद खान बिहार के राज्यपाल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को पांच राज्यों के राज्यपाल बदले हैं। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में देशभर के विभिन्न राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। पूर्व सेना प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं आरिफ मोहम्मद खान बिहार के राज्यपाल होंगे। इनके अलावा, पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्यरत रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नए राज्यपालों की नियुक्ति की मंजूरी दी है। डॉ. हरि बाबू कम्भमपति- मिजोरम के वर्तमान राज्यपाल को ओडिशा का राज्यपाल बनाया गया है। जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

दी है। डॉ. हरि बाबू कम्भमपति- मिजोरम के वर्तमान राज्यपाल को ओडिशा का राज्यपाल बनाया गया है। जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बिहार के वर्तमान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल का राज्यपाल बनाया गया है। इन नियुक्तियों का कार्यभार संभालने की तिथि संबंधित राज्यपालों के पदभार ग्रहण करने के बाद से प्रभावी होगी।

300 फीट गहरी खाई में गिरा सेना का ट्रक, 5 जवानों की गई जान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के बलनोई सेक्टर में मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में सेना का एक वाहन 300 फीट गहरी खाई में जा गिरा। व्हाइट नाइट कॉर्पस की ओर से एक्स पर पोस्ट कर जानकारी देते हुए कहा गया है कि पुंछ सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान सेना का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पांच सैनिकों की मौत हो गई है। व्हाइट नाइट कॉर्पस ने सैनिकों के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। घटनास्थल पर बचाव अभियान देर रात तक जारी रहा। घायल कर्मियों का उपचार किया जा रहा है। हादसे को लेकर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को लगभग शाम 17.40 बजे, 11 मराठा लाइट इन्फेंट्री का एक सेना वाहन, जो नीलम मुख्यालय से एलओसी के पास बलनोई घोरा पोस्ट की ओर जा रहा था, वह घोरा पोस्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि वाहन गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक सहित 10 सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए. ।11 मराठा लाइट इन्फेंट्री की एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम और मनकोट से एक पुलिस दल

घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। बता दें कि इसके पहले भी ऐसे कई सेना के वाहनों के एक्सीडेंट की खबरें सामने आई हैं। साल 2023 में 29 अप्रैल को रजौरी में सेना की एंबुलेंस 200 फीट गहरी खाई में गिरी थी, जिसमें दो जवानों की मौत हुई थी। साल 2023 में 19 अगस्त के दिन सेना की एक गाड़ी 60 फीट खाई में गिरी थी, जिसमें 9 जवानों की मौत हो गई थी।

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव जंग लगा चाकू

नई दिल्ली। अपने खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। महिला पत्रकारों की सभा को संबोधित करते हुए जगदीप धनखड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के एक बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ नोटिस को देखिए। आप चौंक जाएंगे। धनखड़ ने आगे कहा कि एक बार चंद्रशेखर ने कहा था कि सब्जी काटने वाले चाकू से बाइपास सर्जरी कभी मत करो। अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह तो सब्जी काटने का चाकू भी नहीं था। मेरा नोटिस जिसने लिखा, उसके चाकू पर जंग लगा हुआ था। जल्दबाजी थी। मैं पढ़कर दंग रह गया। उन्होंने आगे कहा कि मुझे यह जानकार आश्चर्य है कि आप में से किसी ने भी इसे नहीं पढ़ा है। अगर आप पढ़ते तो आपको कई दिनों तक नींद नहीं आती। जगदीप धनखड़ ने संसद में कामकाज के मूल्यवान घंटों के नुकसान पर भी दुख व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया से जनप्रतिनिधियों पर दबाव बनाने और लोकतंत्र में जवाबदेही तय करने की अपील की। महिला पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया लोगों के साथ जुड़ सकता है और जनप्रतिनिधियों पर दबाव बना सकता है। हमें लोकतंत्र के इन मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करने की जरूरत है। धनखड़ ने संसद में सार्थक बहस की कमी पर भी दुख्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्या आपने पिछले कुछ दशकों में संसद में कोई अच्छी बहस देखी है? क्या आपने सदन में कोई महान योगदान देखा है? हम गलत कारणों से खबरों में हैं। हमने व्यवस्था के साथ रहना सीख लिया है, जो व्यवस्था नहीं केवल अव्यवस्था है। मीडिया लोगों तक पहुंचने का इकलौता साधन है। इसलिए जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य बोले- मोहन भागवत हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं

मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान कि हर जगह मंदिर ढूंढ़ने की इजाजत नहीं दी जा सकती को लेकर संत समाज उबल रहा है। इस बीच जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने एक बार फिर संघ प्रमुख के बयान पर अपना विरोध दर्ज कराया है। मुंबई में एक इंटरव्यू में जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि भागवत किसी संगठन के प्रमुख हो सकते हैं लेकिन वे हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं हैं कि उनकी बात हम मानते रहें। वे हमारे अनुशासक रहे हैं, हम उनके अनुसार नहीं चल सकते। उन्होंने आगे कहा कि मैं बीस बार कह रहा हूं कि हिन्दू धर्म की व्यवस्था के लिए वे ठेकेदार नहीं हैं। हिंदू धर्म की व्यवस्था हिन्दू धर्म के आचार्यों के हाथ में है। संपूर्ण भारत के भी वे प्रतिनिधि नहीं हैं। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने यह भी कहा कि जो हमारी ऐतिहासिक वस्तुएं हैं, वे हमें मिलनी ही चाहिए और हमें लेनी भी चाहिए, चाहे जैसे मिले। भले इसके लिए साम, दाम, दंड, भेद क्यों न अपनाना पड़े। रामभद्राचार्य के अलावा और कई संतों ने भी मोहन भागवत के बयान की आलोचना की है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी भागवत के उस बयान पर उनकी आलोचना की है जिसमें उन्होंने कहा था कि हर जगह मंदिर ढूंढ़ने की इजाजत नहीं दी जा सकती। बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में एक व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए कहा था कि धर्म प्राचीन है और धर्म की पहचान से ही राम मंदिर बनाया गया है। यह सही है, लेकिन सिर्फ मंदिर बन जाने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। हिंदू धर्म सनातन धर्म है और इस सनातन और सनातन धर्म के आचार्य सेवाधर्म का पालन करते हैं। यह मानव धर्म की तरह सेवा धर्म है। सेवा करते समय हमेशा चर्चा से दूर रहना हमारा स्वभाव है।

'आदतन अपराधी है रामदेव की पतंजलि'... यह बात लेकर कोर्ट पहुंची डाबर

नई दिल्ली। अपने कई उत्पादों के लिए मशहूर कंपनी डाबर ने बाबा रामदेव की पतंजलि के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और उसके उस विज्ञापन पर रोक लगाने की मांग की है, जिसमें कथित तौर पर उसके च्यवनप्राश उत्पादों के खिलाफ पतंजलि आयुर्वेद द्वारा अपमानजनक विज्ञापन चलाने के आरोप हैं। मंगलवार को दायर अपनी याचिका में डाबर ने आरोप लगाया है कि पतंजलि आयुर्वेद उसके च्यवनप्राश उत्पादों के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन चला रही है। याचिका में डाबर ने पतंजलि को तुरंत अपमानजनक विज्ञापन चलाने से रोकने के लिए आदेश देने की मांग की है। डाबर की अर्जी पर जस्टिस मिनी

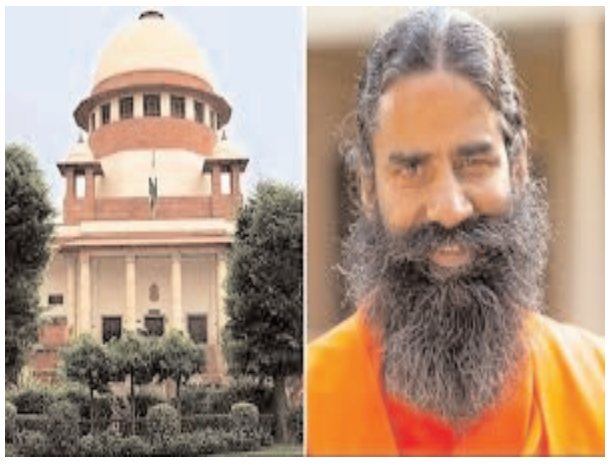

पुष्करणा ने संबंधित पक्ष को नोटिस जारी किया है और अंतरिम आदेशों पर विचार करने के लिए जनवरी के अंतिम सप्ताह में मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। डाबर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अखिल सिब्बल ने दलील दी है कि पतंजलि आयुर्वेद एक आदतन अपराधी है।

तत्काल राहत की गुहार लगाई बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब डाबर ने अपनी अर्जी डालकर इस पर सुनवाई की गुहार की, तब जस्टिस पुष्करणा ने शुरू में इसे मध्यस्थता के लिए भेजने की इच्छा जताई, लेकिन डाबर ने बार-बार इस मामले में तत्काल राहत की गुहार लगाई तो उन्होंने अंततः मामले की सुनवाई करने का फैसला किया। डाबर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अखिल सिब्बल ने दलील दी कि पतंजलि आयुर्वेद एक आदतन अपराधी है। इसके साथ ही उन्होंने इस साल की शुरुआत में पतंजलि के खिलाफ दर्ज अवमानना ??याचिका में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी उल्लेख किया, जिसमें पतंजलि, बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने अखबारों में लिखित माफीनामा छपवाया था।

पतंजलि के विज्ञापन से व्यथित है डाबर डाबर ने अपनी अर्जी में कहा कि वह पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक स्वामी रामदेव के एक विज्ञापन से व्यथित है, जिसमें वह कहते हैं कि जिनको आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान नहीं, चरक, सुश्रुत, धन्वंतरि और च्यवनऋषि की परंपरा में 'असली' च्यवनप्राश कैसे बना पाएंगे? (यह बताते हुए कि केवल पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश ही 'असली'/प्रामाणिक है; और बाजार में अन्य च्यवनप्राश के निर्माताओं को इस परंपरा के बारे में कोई जानकारी नहीं है, और परिणामस्वरूप, वे सभी नकली/साधारण हैं)।

सांवेर के चित्तौड़ा में भागवत कथा में पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन यादव

313 ब्लॉक के एक-एक गांव को बनाया जाएगा वृंदावन गांव

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति का अपना विशेष महत्व है। मनुष्य जीवन सत्कर्म के लिए प्राप्त हुआ है। कथा श्रवण के माध्यम से हमें जीवन दर्शन की राह मिलती है, जो हमें सद्मार्ग की ओर चलने के लिए सदैव प्रेरित करती है। गौमाता की सेवा भगवान की सेवा के समान है। संत कमल किशोर नागर महाराज गौसेवा के एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। संत श्री के प्रयासों से मालवा, निमाड़, जनजाति अंचल सहित प्रदेश भर में गौमाताओं के पालन का दायित्व निस्वार्थ भाव से किया जा रहा है, जो प्रशंसनीय और वंदनीय है। भगवत गीता से हमें कर्म के प्रति आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है, इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति ऐसे सद्कर्म करें, जिससे उनकी भावी पीढ़ी पुण्य के मार्ग पर चले और मनुष्य जीवन को सार्थक बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर

जिले के सांवेर स्थित चित्तौडा में श्रीमद्भागवत गौशाला में आयोजित भागवत कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि घर-घर गोपाल और गांव-गांव वृंदावन बने, इसके लिए प्रदेश के 313 ब्लॉक के एक-एक गांव में जहां 500 से अधिक गौवंश होगा, उनको वृंदावन गांव बनाकर आदर्श रूप में विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमद्भागवत गौशाला चित्तौडा की भूमि को गौशाला के नाम करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गीता जयंती के आयोजन से पूरे प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण के कर्म के संदेश को पहुंचाने का कार्य किया गया है। संत श्री कमल किशोर जी नागर के द्वारा निस्वार्थ भाव से गौशाला संचालन के लिए जो पुनीत कार्य की अलख जगाई गई है, वह वंदनीय है। संत श्री ने गौशाला संचालन के साथ कई आदर्श निर्मित किए हैं, जो समाज को एक नई दिशा देने का कार्य कर रहे है। उन्होंने प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों की भी सराहना की।

नदी जोड़ो अभियान से विकास को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान विकास को एक नई दिशा देने का काम करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से विकास को एक नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा प्रदेश में दो नदी जोड़ो अभियान से लगभग 25 जिलों के बड़े क्षेत्रों में सिंचाई का रकबा बढेगा, जिससे मालवा और बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। नदी जोड़ो अभियान से प्रदेश का बड़ा क्षेत्र लाभान्वित होगा।

घर-घर गोपाल और गांव-गांव वृंदावन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गौवंश पालन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। घर-घर गोपाल और गांव-गांव वृंदावन बने, इसके लिए प्रदेश के 313 ब्लॉक के एक-एक गांव में जहां 500 से अधिक गौवंश होगा, उनको वृंदावन गांव बनाकर आदर्श रूप में विकसित करेंगे। वहीं 10 से अधिक गौमाता पालने वाले पशुपालकों को अनुदान देकर प्रोत्साहित करेंगे ताकि घर-घर गोपाल बने। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दूध खरीदी पर बोनस भी दिया जाएगा।

दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर हो मध्यप्रदेश

सीएम ने कहा कि हमारा लक्ष्य कि जिससे घर-घर दूध उत्पादन बढ़े और प्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गोपालन के प्रति लोगों में रुचि बढ़े, इसके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने संत कमल किशोर जी नागर द्वारा गोवंश संरक्षण एवं गौशाला के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यास पीठ का पूजन कर संत श्री नागर का शाल भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री चिंदू वर्मा सहित श्रीमद्भागवत गौ-शाला चित्तौडा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित थे।

नगर निगम सम्मेलनः हंगामे और शोर शराबे के बीच लगी प्रस्तावों पर मुहर

हुकमचंद मिल की जमीन पर बनेगी ग्रीन सिटी, हरियाली रहेगी कायम

इंदौर। इंदौर में नगर निगम सम्मेलन मंगलवार को आयोजित किया गया। हंगामे और शोर शराबे के बीच प्रस्तावों पर मुहर लगी। हुकमचंद मिल की जमीन को लेकर फैसला लिया गया कि 40 एकड़ जमीन पर ग्रीन सिटी विकसित होगी। मिल परिसर की हरियाली को कायम रखा जाएगा। सम्मेलन में कांग्रेस के प्रदर्शन, मेघदूत चौपाटी, पार्षद जुआ कांड पर भी हंगामा होता रहा। नगर निगम परिषद हाल में सुबह 11 बजे सम्मेलन शुरू हुआ। दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान डॉ. अंबेडकर की फोटो को लेकर भाजपा पार्षदों ने कांग्रेस पार्षदों को घेरने की कोशिश की। भाजपा पार्षद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के फोटों को सदन में लहराने लगे, जिसमें वे अंबेडकर के फोटो को पैर के पास लेकर बैठे थे। इस मुद्दे पर कुछ देर तक हंगामा चलता रहा। इसके बाद कुछ अन्य मुद्दों पर भी बहस और हंगामा चलता रहा। सम्मेलन के मुद्दों पर चर्चा शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने मेघदूत चौपाटी हटाने पर विरोध जताया। इस बात पर कांग्रेस पार्षदों ने कुछ देर तक हंगामा किया। बाद में बहुमत के आधार पर बीस से ज्यादा प्रस्तावों को मंजूरी दी।

इंदौर को फिर से नंबर वन बनाने पर चर्चा

हंगामे के बाद इंदौर शहर के विकास और स्वच्छता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में फिर से नंबर एक बनाने के लिए नई रणनीतियों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, जू में 14 डी सिनेमा थिएटर और वर्चुअल जंगल सफारी बनाने जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी विचार किया गया।

इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

-सम्मेलन में कान्ह नदी शुद्धिकरण के लिए चाणक्यपुरी से राजमोहल्ला तक सीवर लाइन डालने और कॉलोनियों की सीवर लाइनों के जोड़ने के कामों को मंजूरी दी गई।

- रीजनल पार्क में पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशीप पी.पी. पी. मॉडल पर मनोरंजन पार्क का विकास करना एवं पार्क का नवीनीकरण करने स्वीकृति दी गई।

- प्राणी संग्रहालय में पीपीपी आधार पर 14 डी सिनेमा थिएटर व वर्चुअल जंगल सफारी का निर्माण करने की सहमति बनी।

- रामबाग में बने खेल संकुल को क्रीडा भारती को आवंटित करने का फैसला लिया गया। वही हरसिद्धि कम्यूनिटी हॉल सेवा भारती संस्थान को देने पर सहमति बनी।

इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा

-स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत जन जागरूकता बढ़ाने और इंदौर को फिर से नंबर 1 बनाने के लिए स्वच्छता गान के संबंध में।

-कबीटखेड़ी स्थित 15 टीडीपी बायो-मिथेनेशन प्लांट के संचालन और संधारण कार्य की स्वीकृति के संबंध में।

-नर्मदा जलप्रदाय योजना (तृतीय चरण) की 363 एमएलडी क्षमता के तीन वर्षों के संचालन और संधारण के कार्य के संबंध में।

-इंदौर जलप्रदाय योजना (तृतीय चरण) में निर्मित नए इन्टेक वेल के पास 1400 एमएम व्यास की जीआरपी पाइप लाइन बिछाने के संबंध में।

-मध्य प्रदेश राजपत्र क्रमांक 222 (दिनांक 04.05.2021) में संशोधित अचल संपत्ति अंतरण नियम में उल्लेखित दरों से अधिक दर अधिरोपित

करने के संबंध में।

- गणेशोत्सव की झांकी निर्माण के लिए मिलों को अनुदान राशि प्रदान करने के संबंध में।

-गणेश विसर्जन चल समारोह में शामिल अखाड़ों को अनुदान देने के संबंध में।

-नगर निगम पेंशनर्स एसोसिएशन, इंदौर के 75 वर्ष की आयु के सदस्यों के सम्मान समारोह (जनवरी 2024) के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के संबंध में।

-श्री अहिल्या उत्सव समिति, इंदौर को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के संबंध में।

-श्री गणेशोत्सव समारोह के लिए निगम अनुदान की स्वीकृति के संबंध में।

-योग यात्रा कार्यक्रम 2024 के लिए अनुदान देने के संबंध में।

-वाल्मीकि समाज की संस्थाओं को वीर गोगादेव जन्मोत्सव मनाने के लिए अनुदान देने के संबंध में।

- राजस्व वसूली के दौरान अनादरित चेकों पर दंड राशि बढ़ाने के संबंध में।

-नवीन कन्या विद्यालय (रामबाग क्र. 7) स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को संस्था क्रीड़ा भारती को आवंटित करने के संबंध में।

-हरसिद्धि मंदिर के पास स्थित निगम स्वामित्व वाले सामुदायिक हॉल को सेवा भारती संस्थान को उपलब्ध कराने के संबंध में।

जीतू पटवारी पर अंबेडकर के अपमान का आरोप

इंदौर नगर निगम परिषद के सम्मेलन में मंगलवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान के आरोपों को लेकर जमकर हंगामा हुआ। भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों के बीच तीखी नारेबाजी से बैठक काफी देर तक बाधित रही। बीजेपी पार्षदों ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पर अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाकर नारेबाजी की। भाजपा पार्षदों ने सम्मेलन शुरू होते ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर बाबा साहब के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने पटवारी की वह तस्वीर हाथों में ली, जिसमें वे अपने पैरों पर आंबेडकर की उलटी तस्वीर रखकर कुछ लिखते नजर आ रहे हैं। पार्षद नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन तक पहुंच गए। सोमवार को जीतू पटवारी ने इंदौर में पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि बाबा साहब आंबेडकर का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा। लेकिन, प्रदर्शन के दौरान उनके पैरों पर बाबा साहब की तस्वीर उलटी रखी नजर आई। किसी के टोकने पर उन्होंने तुरंत तस्वीर सीधी कर ली और उसे सीने से लगा लिया। भाजपा ने इसी तस्वीर को आधार बनाकर जीतू पटवारी पर निशाना साधा।

कांग्रेस ने बीजेपी पर लगाया साजिश का आरोप

दूसरी तरफ, कांग्रेस पार्षदों ने भी भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह साजिश के तहत किया गया है और भाजपा बाबा साहब के नाम पर राजनीति कर रही है। कांग्रेस पार्षदों ने भी नारेबाजी करते हुए कहा कि बाबा साहब का अपमान वे भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। दोनों दलों की नारेबाजी और हंगामे के कारण बैठक लंबे समय तक प्रभावित रही। बाद में हंगामा शांत होने के बाद सम्मेलन की कार्रवाई फिर शुरू हुई।

जुआ खेलते बीजेपी पार्षद का मामला उठा

कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया ने बीजेपी के पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार के हाल ही में जुआ खेलते हुए पुलिस द्वारा पकड़े जाने का मुद्दा उठाया और कहा कि सटोरियों के कारण सदन की गरिमा खराब हो रही है उन्हें पहले बाहर करो। इसके बाद बीजेपी ने भी हमला बोला और कांग्रेसी पार्षदों के कारनामे गिनाने लगे।

निगम सम्मेलन में अमित शाह और राहुल गांधी को लेकर हंगामा

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष निगम चिंटू चौकसे व अन्य ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। वहीं बीजेपी ने संसद में धक्का-मुक्की कांड को लेकर राहुल गांधी पर हमला बोला और उनके खिलाफ नारे लगाए। दोनों ने एक-दूसरे के नेताओं के लिए माफी मांगने की जमकर मांग उठाई। वहीं इसके पहले सदन शुरू होते ही सभी नेताओं में बाबा साहेब की फोटो पर पुष्प अर्पित करने की भीड़ लग गई, सभी जय बाबा साहब, जय भीम, जय संविधान के नारे लगाते हुए पुष्प अर्पित करने उमड़ पड़े।

महापौर ने प्रियंका गांधी पर कसा तंज

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सांसद प्रियंका गांधी के फिलिस्तीन को लेकर तंज कसा और कहा कि कुछ लोग केवल फिलिस्तीन बैग ले जाते हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं को लेकर कुछ नहीं बोलते हैं। वहीं, महापौर ने बाबा साहब को लेकर हुए हंगामे पर कहा कि क्यों न सभापति की मंजूरी से सभी लोग बाबा साहेब के कामों को लेकर चर्चा कर लें। सदन में सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया, रमेश मेंदोला व अन्य उपस्थित थे। सदन में जय श्री राम, जय-जय सियाराम के भी नारे दोनों ओर से लगे।

कुमेड़ी में इंटर-स्टेट बस टर्मिनल जनवरी से हो जाएगा शुरू

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। कुमेड़ी स्थित आईएसबीटी यानी इंटर-स्टेट बस टर्मिनल बनकर लगभग तैयार हो गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस बस स्टैंड से गुजरात, राजस्थान और दिल्ली क्षेत्रों में जाने वाली लगभग 186 बसें संचालित होंगी। बस स्टैंड के संचालन के संबंध में चर्चा के लिए मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में बस संचालकों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बसों के संचालन के संबंध में सहमति बनी। बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा सहित अन्य अधिकारी और बस संचालक मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि कुमेड़ी स्थित आईएसबीटी बनकर लगभग तैयार है। इस बस स्टैंड का संचालन अगले जनवरी माह से प्रारंभ किया जाएगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इस बस स्टैंड से गुजरात, राजस्थान और दिल्ली क्षेत्रों में जाने वाली बसों के संचालन की योजना तैयार की गई है। यह बस स्टैंड अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है और इसमें यात्रियों और बसों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यात्रियों और बस संचालकों की सुविधा के साथ-साथ शहर के यातायात सुधार को ध्यान में रखते हुए इस बस स्टैंड से बसों का संचालन किया जाना उचित है। कलेक्टर ने बताया कि इन क्षेत्रों में जाने वाली बसें फिलहाल इधर-उधर से संचालित हो रही हैं। कई बसें शहर के व्यस्ततम मार्गों से होकर गुजरती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। बैठक में बस संचालकों को बस संचालन की योजना के बारे में बताया गया। आईएसबीटी से बस संचालन के संबंध में सहमति बनी और बस संचालकों ने अपने-अपने सुझाव भी दिए। सुझाव के आधार पर निर्णय लिया गया कि आईएसबीटी के समीप बस पार्किंग के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा जगह उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए सिटी बस, ऑटो, ई-रिक्शा जैसे लोक परिवहन के साधनों की कनेक्टिविटी भी आईएसबीटी तक सुनिश्चित की जाएगी।

डॉ. अंबेडकर नगर से बलिया कुंभ स्पेशल ट्रेन की बुकिंग शुरू

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। जनवरी 2025 में प्रयागराज में आरंभ हो रहे महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों की यात्रा सुगम बनाने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के डॉ. अंबेडकर नगर से बलिया के बीच दोनों दिशाओं में 09371/09372 बलिया-डॉ. अंबेडकर नगर कुंभ स्पेशल ट्रेन का परिचालन करेगा। यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में चार-चार फेरे लगाएगी। ट्रेन संख्या 09371 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है।

गाड़ी संख्या 09371, डॉ. अंबेडकर नगर-बलिया कुंभ स्पेशल 22 और 25 जनवरी के साथ ही 8 और 22 फरवरी को डॉ. अंबेडकर नगर से दोपहर 1:45 बजे चलकर रतलाम मंडल के इंदौर, उज्जैन और शुजालपुर होते हुए अगले दिन शाम 7:15 बजे बलिया पहुंचेगी। इसी तरह, वापसी में गाड़ी संख्या 09372, बलिया-डॉ. अंबेडकर नगर कुंभ स्पेशल 23 और 26 जनवरी के साथ ही 9 और 23 फरवरी को बलिया से रात 11:45 बजे चलकर रतलाम मंडल के शुजालपुर, उज्जैन और इंदौर होते हुए अगले दिन सुबह 5:30 बजे डॉ. अंबेडकर नगर पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिजार्पुर, चुनार, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार और गाजीपुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर, और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

इंदौर में सोना केडबरी 250 रुपए टूटकर 78050 रुपए प्रति दस ग्राम पर

सिटी चीफ इंदौर।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता के बीच मंगलवार को डॉलर की दर में मजबूती के कारण अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में निवेशकों की मुनाफा वसूली की बिकवाली देखी गई। जिससे सोने में गिरावट दर्ज की गई।

सोना 16 डॉलर घटकर 2614 डॉलर प्रति औंस रह गया, जिससे इंदौर मार्केट में भी सोना केडबरी 250 रुपए टूटकर 78050 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। इंदौर के बंद भाव इस प्रकार रहे- सोना केडबरी रवा नकद में 78050 सोना (आरटीजीएस) 78000, सोना (91.60) 71500 रुपए प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 78300 रुपए पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा नकद 89250 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 89150 चांदी टंच 89350 रुपए प्रति किलो और चांदी सिक्का 1040 रुपए प्रति नग बिका। सोमवार को चांदी चौरसा नकद 89250 रुपए बिकी थी।

भारत में घरेलू कीमतों पर 8 डॉलर प्रति औंस की छूट के साथ, उच्च सोने की कीमतों के बीच मांग कम रही। दिसंबर में भारतीय सोने के आयात में काफी कमी आने की उम्मीद है और उपभोक्ता हल्के और कम कैरेट के आभूषणों की ओर बढ़ गए हैं। इस बीच चीन में मांग नरम रही, जहा 5 डॉलर प्रति औंस की छूट दी गई। चांदी में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना ऊपर में 2621 और नीचे 2608 डालर और चांदी झऊपर में 2676 सेंट और नीचे में 2951 सेंट प्रति औंस रही।

इंदौर में बना दुनिया की सबसे बड़ी एलुमनी मीट का वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में विश्व की सबसे बड़ी एलुमनी मीट का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। इस बार जवाहर नवोदय विद्यालय के पूर्व छात्रों की एलुमनी मीट नवोत्सव 3.0 का आयोजन इंदौर में किया गया। एक जगह 7 हजार से ज्यादा पूर्व छात्र इकट्ठा होने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस इंग्लैंड ने इसे विश्व की सबसे बड़ी एलुमनी मीट का दर्जा दिया है। मीट के दौरान ही अधिकारियों ने सर्टिफिकेट भी दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन नवोदय गार्डन में मध्यप्रदेश एलुमनी एसोसिएशन ऑफ नवोदय ने किया। कार्यकम में 7000 से ज्यादा छात्र शामिल हुए। पुराने दिनों की याद ताजा की। एलुमनी मीट का कार्यक्रम करीब 10 घंटे तक चला जिसमें डॉक्टर, सीए, सीएस, कारोबारी, शिक्षक, प्रोफेसर समेत हर वर्ग के छात्र शामिल हुए। नवोत्सव में शामिल होने के लिए खासतौर पर मध्यप्रदेश राजस्थान, गुजरात, जम्मूकश्मीर समेत कई राज्यों के पूर्व छात्र शामिल हुए।एलुमनी मीट में नवोदय के पूर्व छात्र और वर्तमान में नर्मदापुरम के सांसद दर्शन सिंह चौधरी विशेष तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एक छोटे से गांव से निकलकर सांसद बनने में जवाहर नवोदय विद्यालय की बड़ी भूमिका है। मैं इसके लिए नवोदय का कर्जदार हूं।

मैनेजमेंट को लेकर हो रही तारीफ

एलुमनी मीट में 7000 से ज्यादा पूर्व छात्रों की एंट्री से लेकर, कार्यक्रम और भोजन की व्यवस्था का मैनेजमेंट मध्यप्रदेश एलुमनी एसोसिएशन ऑफ नवोदय ने बहुत ही अद्भुत तरीके से किया। 250 छात्र व्यवस्था संभालने में लगे थे। कार्यक्रम का संचालन आनंद यादव, ईश्वर शर्मा, विष्णु दांगी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ विकास व्यास, सीए सुनील पाटीदार, सीएस नीलेश गुप्ता, मुकेश यादव, सुनील गुप्ता, शुभम सुहाने, राकेश यादव और रामा प्रजापति ने खास भूमिका निभाई। मध्यप्रदेश एलुमनी एसोसिएशन ऑफ नवोदय (मान) का इस तरह की मीट का उद्देश्य नवोदय के पूर्व छात्रों को इकट्ठा कर समाज के लिए बड़ा काम करने का है। कार्यक्रम में छात्रों के मुफ्त हेल्थ चेकअप की व्यवस्था थी वहीं ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा में भी दहाड़ेंगे मध्य प्रदेश के बाघ

सिटी चीफ भोपाल। गुजरात के बाद अब छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा में भी मध्य प्रदेश के बाघ दहाड़ेंगे। राज्य सरकार इन तीनों राज्यों को 15 बाघ देगी। इनमें छत्तीसगढ़ को आठ बाघ (दो बाघ, छह बाघिन), राजस्थान को चार बाघिन एवं ओडिशा को तीन (एक बाघ, दो बाघिन) दिए जाएंगे। इसको लेकर सहमति बन गई है।

मध्य प्रदेश वन विभाग मुख्यालय ने वन्यप्राणी शाखा के पीसीसीएफ सुभरंजन सेन से कहा है कि बांधवगढ़, पेंच एवं कान्हा टाइगर रिजर्व से ये बाघ भेजे जाएंगे। इसके लिए यह शर्त भी रखी गई है कि बाघ एवं बाघिन को भेजने की प्रक्रिया पशु चिकित्सकों की टीम की देखरेख में की जाए।

एमपी में 785 बाघ हैं

बाघों के जीवन को किसी प्रकार का खतरा न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। बाघों को भेजने का पूरा खर्च संबंधित राज्य को ही उठाना होगा और इसकी विधिवत अनुमति भारत सरकार से लेनी होगी। उल्लेखनीय है कि टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में 785 बाघ हैं।

बता दें कि जिन तीनों राज्यों को बाघ भेजे जाएंगे, वे भाजपा शासित हैं तथा ये तीनों राज्य लंबे समय से मध्य प्रदेश से बाघ मांग रहे थे। चूंकि मध्य प्रदेश में देश के सर्वाधिक बाघ हैं और यह टाइगर स्टेट है, इसलिए इनकी प्रजाति का अस्तित्व अन्य राज्यों में भी बनाए रखने के लिए इन्हें वहां भेजने की स्वीकृति दी गई है।

गुजरात को दो बाघ दे चुकी है मप्र सरकार, बदले में मिले शेर

मध्य प्रदेश सरकार ने हाल ही में नंदनी और बांधवगढ़ नामक दो बाघों का जोड़ा गुजरात सरकार को दिया है। बदले में मध्य प्रदेश को गिर के दो शेर मिले हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल से गुजरात के इंड्रोडा नेचर पार्क को दो बाघ भेजे गए थे।

वहीं, जूनागढ़ के शक्कर बाघ जू से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को शेर मिले हैं। दोनों ही राज्यों में बाघ और शेर की आबादी बढ़ाने पर काम किया जाएगा।

असम को जंगली भैंसे लेकर दिए जाएंगे बाघ

मध्य प्रदेश लंबे समय से जंगली भैंसों को लाने के लिए प्रयासरत है। ये भैंसे असम से लाए जाने हैं और इनके बदले मध्य प्रदेश असम को बाघ देगा। यह बाघ इंदौर या ग्वालियर स्थित चिड़ियाघर से देने की तैयारी है। वहीं असम से मिलने वाले भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व में बसाया जाएगा। तीन जुलाई 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को जंगली भैंसे देने के लिए पत्र लिखा था।

कहा था कि कई साल पहले मध्य प्रदेश में जंगली भैंसे हुआ करते थे, लेकिन बाद में ये खत्म हो गए। बता दें कि मध्य प्रदेश में वर्ष 1979 तक जंगली भैंसे पाए जाते रहे हैं, लेकिन इसके बाद नहीं देखे गए। आखिरी भैंसा पन्ना के रैपुरा क्षेत्र के रूपझिर गांव के पास दिखाई देने की बात सामने आई।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का करेंगे शिलान्यास

अटलजी का सपना साकार, बुंदेलखंड की बुझेगी प्यास

सिटी चीफ भोपाल। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर बुधवार को उनके नदी जोड़ो अभियान के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खजुराहो में देश की पहली केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास करेंगे।

चूंकि नदी जोड़ो की संकल्पना वाजपेयी की थी, इसीलिए परियोजना के शिलान्यास का दिन उनके जन्मदिन पर चुना गया। इसके लिए प्रधानमंत्री बुधवार को दोपहर 12.10 बजे खजुराहो पहुंचेंगे और दोपहर 2.20 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बुंदेलखंड को जल संकट से छुटकारा

खजुराहो के मेला मैदान पर होने वाले इस आयोजन में कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल भी उपस्थित रहेंगे। परियोजना के मूर्तरूप लेने पर बुंदेलखंड को जल संकट से छुटकारा मिलेगा, रोजगार के लिए हो रहे पलायन पर भी रोक लगेगी।

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण

प्रधानमंत्री मोदी देश की पहली ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन भी करेंगे। वह अटल जी की स्मृति में टिकट और सिक्का भी जारी करेंगे। बता दें कि केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। 44,605 करोड़ की परियोजना से पन्ना

टाइगर रिजर्व में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचा व 2.13 किलोमीटर लंबाई के दौधन बांध और दो टनल का निर्माण कर बांध में 2,853 मिलियन घनमीटर जल का भंडारण किया जाएगा। बांध से 221 किमी लंबी लिंक नहर के द्वारा दोनों राज्यों में सिंचाई और पेयजल की सुविधा मिलेगी।

परियोजना से मध्य प्रदेश के 10 जिले पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी एवं दतिया के दो हजार गांवों की 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी।

21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा

वहीं, उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में 59 हजार हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जाएगा।

मध्य प्रदेश की 44 लाख एवं उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा मिल सकेगी। परियोजना मध्यप्रदेश के छतरपुर और पन्ना जिले में केन नदी पर निर्मित की जा रही है।

फैक्ट फाइल

44605 करोड़ का प्रोजेक्ट।

इसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र पर 10 प्रतिशत राज्य का अंशदान होगा।

8 साल में प्रोजेक्ट पर कार्य पूरा होगा।

103 मेगा वाट हायड्रो पावर व 27 मेगा वाट सोलर पावर बनेगा।

फिर बाजार से पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेगी मप्र सरकार

बजट से ज्यादा हुआ लोन

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार मंगलवार को फिर रिजर्व बैंक के माध्यम से बाजार से पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेगी। यह कर्ज दो हिस्सों में लिया जाएगा। पहला कर्ज ढाई हजार करोड़ रुपये का होगा, जिसे 21 साल बाद चुकाया जाएगा।

दूसरा कर्ज भी ढाई हजार करोड़ रुपये का रहेगा, पर इसे 17 साल में चुकाया जाएगा। इसके लिए गवर्नमेंट सिक्योरिटीज का विक्रय किया जाएगा, जिस पर साल में दो बार ब्याज का भुगतान भी किया जाएगा।

बता दें कि राज्य सरकार वर्तमान वित्तीय वर्ष में 25 हजार करोड़ रुपयों का कर्ज ले चुकी है। नया कर्ज मिलाकर यह 30 हजार करोड़ रुपये हो जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार पर कर्ज चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

कर्ज की राशि और अवधि-

कुल कर्ज- 30,000 करोड़ रुपये

पहला कर्ज- 2,500 करोड़ रुपये (21 साल बाद चुकाया जाएगा)राज्य सरकार ने वित्तीय स्थिति ठीक बताई

वहीं, बाजार से कर्ज लेने के लिए राज्य सरकार ने अपनी वित्तीय स्थिति ठीक बताई है। आधा

प्रतिशत ऋण ऊर्जा सहित अन्य क्षेत्रों के लिए विशेष परिस्थिति में लिया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा लिए जाने वाले कर्ज का एक बड़ा हिस्सा मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने में ही चला जाता है।

अब तक लिया गया कर्ज- 25,000 करोड़ रुपये

नया कर्ज- 5,000 करोड़ रुपये (कुल 30,000 करोड़ रुपये)

कुल कर्ज- 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक

सरकार पर कुल चार लाख करोड़ रुपये से अधिक कर्ज

प्रदेश पर अब चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो गया है। इसके साथ मध्य प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति 50 हजार रुपये से अधिक का कर्जदार होगा। स्थिति यह है कि मध्य प्रदेश का कुल बजट 3.65 लाख करोड़ रुपये का है, लेकिन इससे अधिक मध्य प्रदेश सरकार पर कर्ज है।

दूसरा कर्ज- 2,500 करोड़ रुपये (17 साल में चुकाया जाएगा)

जीडीपी का तीन प्रतिशत तक ऋण ले सकती है सरकार

राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के प्रविधान के अनुसार, सरकार राज्य सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत तक ऋण ले सकती है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार 65 हजार करोड़ रुपये तक कर्ज ले सकती है। इसका उपयोग विकास परियोजना और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए किया जा सकता है।

सौरभ शर्मा प्रकरण में बोले दिग्विजय- यह परिवहन घोटाला कहा- मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग में आरक्षक रहे सौरभ शर्मा की कालीकमाई के प्रकरण को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने परिवहन घोटाला बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में इस मामले की जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने इस प्रकरण में प्रदेश के पूर्व परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की भूमिका की जांच करने और सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी की बात भी उठाई। वहीं, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दिग्विजय द्वारा लगाए आरोप पर कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। जो संपत्ति पकड़ाई वह परिवहन विभाग के सिपाही रह चुके सौरभ शर्मा की है या किसी और की यह जांच का विषय है। पुलिस प्रशासन ने इस मामले को दबाने का पूरा प्रयास किया।

यदि आयकर विभाग बीच में नहीं आता तो कुछ कार्रवाई नहीं होती। दिग्विजय ने कहा कि प्रदेश

में जब कमल नाथ की सरकार बनी थी, तब परिवहन और राजस्व विभाग गोविंद सिंह राजपूत को देने का दबाव था।

तब किसकी कहां पदस्थापना होगी, इसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री ने बोर्ड गठित कर दिया था, लेकिन भाजपा सरकार में इस बोर्ड को भंग कर दिया गया।

सौरभ शर्मा वसूली का पूरा काम देखता था। ट्रांसफर-पोस्टिंग में इसकी भूमिका रहती थी। यदि इसकी गहराई से जांच की जाए तो यह पता चल जाएगा कि परिवहन चैकपोस्ट से जो काली कमाई होती थी, वह कहां-कहां बंटती थी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को इस मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत सभी आरोपितों पर मामला दर्ज कर परिवहन घोटाले में लिप्त लोगों की पड़ताल करनी चाहिए।

इससे यह पता चल जाएगा कि इस मामले के तार नेता, अधिकारी और कारोबारियों से जुड़े हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की है कि मामला प्रवर्तन निदेशक और आयकर विभाग की देखे। लोकायुक्त से इसे निकाला जाए। पूरी संपत्ति की जांच हाईकोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में होना चाहिए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग में भी घोटाला चल रहा है।

इसका राजफाश आगे करूंगा। केन बेतवा परियोजना को लेकर कहा कि इसमें हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं और डूब प्रभावितों को मुआवजा नहीं मिल रहा है।

बादलों के छाने से बढ़ा रात का तापमान, बारिश के भी आसार

सिटी चीफ भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बदल गया है। अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण प्रदेश में बादल छाने लगे हैं। न्यूनतम तापमान काफी बढ़ने से फिलहाल ठंड से राहत मिल गई है। मंगलवार को प्रदेश में सबसे कम 9.3 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में दर्ज किया गया। दिन का सबसे कम 21 डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में रिकार्ड किया गया।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार वातावरण में नमी बढ़ने से सुबह के समय कोहरा बना रहेगा। बुधवार को ग्वालियर, चंबल, रीवा, शहडोल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा भी हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में

उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम (12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व की तरफ 203 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से हवाओं का चलना) बना हुआ है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हवाओं का रुख दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। हवाओं के साथ अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है।

इस वजह से बादल छाने लगे हैं। साथ ही सुबह के समय कोहरा भी छाने लगा है। बादल बने रहने रात का तापमान बढ़ गया है, जबकि दिन के तापमान में कहीं-कहीं गिरावट दर्ज हुई है।

26 दिसंबर से एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत पहुंचने के आसार हैं। उसके असर से तीन-चार दिन तक रुक-रुककर वर्षा हो सकती है।

महाकुंभ के कारण कई ट्रेनें रद्द, 28 दिसंबर से 12 जनवरी तक 16 गाड़ियां कैंसिल

सिटी चीफ भोपाल। दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद मंडल के काजीपेट-विजयवाड़ा खंड के मोटूमारी जंक्शन स्टेशन पर इंटरलाकिंग कार्य चल रहा है। इस कारण भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली कई यात्री ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया है।

यह ट्रेनें हुई निरस्त

ट्रेन 22646 कोच्चुवेली-इंदौर एक्सप्रेस 28 दिसंबर से चार जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 22645 इंदौर-कोच्चुवेली एक्सप्रेस 30 दिसंबर से छह जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 12511 गोरखपुर-कोचूवेली

एक्सप्रेस 26 दिसंबर से पांच जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 12512 कोचूवेली-गोरखपुर एक्सप्रेस 31 दिसंबर से आठ जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 12521 बरौनी-एर्नाकुलम एक्सप्रेस 23 दिसंबर से छह जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 12522 एर्नाकुलम-बरौनी एक्सप्रेस दिनांक 27 दिसंबर से 10 जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 01927 कानुपर-मदुरै स्पेशल 25 दिसंबर से आठ जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 01928 मदुरै-कानुपर स्पेशल 27 दिसंबर से 10 जनवरी तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 04717 हिसार-तिरुपति स्पेशल 28 दिसंबर एवं चार जनवरी को निरस्त रहेगी।

ट्रेन 04718 तिरुपति-हिसार स्पेशल 30 दिसंबर एवं छह जनवरी को निरस्त रहेगी।

ट्रेन 06509 केएसआर बेंगलुरू - दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 30 दिसंबर एवं छह जनवरी को निरस्त रहेगी।

ट्रेन 06510 दानापुर - केएसआर बेंगलुरू एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन एक जनवरी एवं आठ जनवरी को निरस्त रहेगी।

भोपाल मंडल की पैसेंजर, मेमू ट्रेनें हुई निरस्त

महाकुंभ के कारण भोपाल मंडल में यात्री ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। रेल प्रशासन ने अपरिहार्य कारणों से कई पैसेंजर और मेमू ट्रेनों को अस्थायी रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया है। यात्री यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति के बारे में रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

27 दिसंबर से 28 फरवरी तक

ट्रेन 06603-06604 - बीना-कटनी मुडवारा-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू

ट्रेन 06623-06624 - कटनी-बरगवां-कटनी मेमू स्पेशल

ट्रेन 11606-11605 - भोपाल-बीना मेमू

ट्रेन 06632 - बीना-भोपाल पैसेंजर स्पेशल मेमू

28 दिसंबर से 1 मार्च तक

ट्रेन 06631 - भोपाल-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू

सम्पादकीय

चार्जिंग ढांचे की कमी से छोटा रह गया ईवी बाजार

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) दुनियाभर में लोकप्रियता में बढ़ रहे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उन्हें वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने और शुद्ध शून्य तक पहुंचने में सहायक माना जाता है । वर्ष 2035 से ब्रिटेन में नई पेट्रोल और डीजल कारें नहीं बेची जाएंगी तथा अमेरिका का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक सभी नए वाहनों की बिक्री में से आधे इलेक्ट्रिक वाहन हों, जिसका अर्थ है कि अधिकतर लोग इलेक्ट्रिक वाहन चलाना पसंद करेंगे। लेकिन भारत के संदर्भ में इसे लेकर अभी कुछ चिंताएं हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) दुनियाभर में लोकप्रियता में बढ़ रहे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उन्हें वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने और शुद्ध शून्य तक पहुंचने में सहायक माना जाता है । वर्ष 2035 से ब्रिटेन में नई पेट्रोल और डीजल कारें नहीं बेची जाएंगी तथा अमेरिका का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक सभी नए वाहनों की बिक्री में से आधे इलेक्ट्रिक वाहन हों, जिसका अर्थ है कि अधिकतर लोग इलेक्ट्रिक वाहन चलाना पसंद करेंगे। लेकिन भारत के संदर्भ में इसे लेकर अभी कुछ चिंताएं हैं। वर्ष 2023-24 में भारत में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों का बाजार कुल यात्री वाहन बाजार में बमुश्किल दो फीसदी का हिस्सेदार रहा। उम्मीद है कि वित्त वर्ष 25 में इसमें 100 आधार अंकों की बढ़ोतरी होगी। इसमें आधे से अधिक ईवी बाजार दोपहिया वाहनों का है। परंतु कार निर्माता इन आंकड़ों से कतई विचलित नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश की शीर्ष कार कंपनियां आने वाले वर्ष में 15 से 20 नए ईवी पेश कर सकती हैं। 2024 में उन्होंने सात से आठ नई इलेक्ट्रिक कारें पेश की थीं। इनमें से अधिकांश ईवी महंगे स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल हो सकते हैं। कार निर्माता शायद भविष्य पर दांव लगा रहे हैं। मोटे तौर पर उन्हें लगता है कि खर्च करने योग्य आय बढ़ने से 2030 तक 15 फीसदी बाजार ईवी का हो जाएगा और चार्जिंग के ढांचे में जबरदस्त विस्तार होगा। दोनों बातों में दम तो है। परंतु हाल फिलहाल के रुझानों पर नजर डाली जाए तो चार्जिंग या बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का नेटवर्क ईवी की चाल को सुस्त कर सकता है। 2015 में देश में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक एंड हाइब्रिड व्हीकल्स (फेम) के रूप में ईवी कार्यक्रम की शुरुआत हुए नौ वर्ष बीत चुके हैं। परंतु देश में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या 12,000 से कुछ ज्यादा ही हैं जबकि सड़कों पर 17 लाख ईवी दौड़ रहे हैं। एसएंडपी ग्लोबल मोबिलिटी के अनुसार इस वर्ष के अंत तक करीब 9,000 नए चार्जिंग पॉइंट तैयार हो जाएंगे। फिर भी आंकड़ा जरूरत से बहुत कम होगा। चीन में दो करोड़ ईवी हैं और उनके लिए 32 लाख सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट हैं। वाहन कंपनियां भी ऐसे नेटवर्क में निवेश कर रही हैं। उदाहरण के लिए टाटा पावर ने दो कंपनियों के साथ समझौता करके चार्जिंग स्टेशन बनाना शुरू किया है। टाटा मोटर्स ने शेल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के पेट्रोल पंपों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने का फैसला किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी बीपी के नेटवर्क की सहायता लेकर 5,000 चार्जिंग पॉइंट बनाने पर काम शुरू किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, ह्युंडै और एमजी मोटर भी चार्जिंग नेटवर्क कायम करने की योजना बना रही हैं। सवाल यह है कि बड़ी कंपनियों की इन योजनाओं से भारी तादाद में चार्जिंग पॉइंट बन पाएंगे। अभी अधिकांश चार्जिंग पॉइंट स्टार्टअप या छोटे-मझोले उपक्रम चला रहे हैं। वो तय नहीं कर पा रहे हैं कि गाड़ियां बढ़ने पर चार्जिंग स्टेशन बढ़ाएं या स्टेशन बढ़ने पर ईवी की तादाद खुद ब खुद बढ़ जाएगी। चार्जिंग ढांचे की कमी से ईवी बाजार छोटा रह गया है और केवल पांच फीसदी चार्जिंग ढांचे का इस्तेमाल देखकर उसका विस्तार कौन करे। उसे लगाने के लिए महंगी रियल एस्टेट, चार्जर और बिजली का भी खर्च होता है। बैटरी की अदला-बदली (स्वैपिंग) से ईवी चलते रह सकते हैं। मगर मानकीकरण की कमी और चार्जिंग पॉइंट जैसे भारी खर्च की वजह से भारत में अभी यह लोकप्रिय नहीं हो पाई है। कुल मिलाकर इस निष्कर्ष से बचना मुश्किल है कि सरकार को चार्जिंग ढांचे को गति देनी चाहिए। इस मामले में चार्जिंग स्टेशन के लिए नई नीतियां और प्रोत्साहन देने की बात कही गई है, खासकर राजमार्गों पर। सरकार कह चुकी है कि वह निजी कारोबारियों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म तैयार करेगी। उसने ईवी-सब्सिडी योजना का तीसरा चरण पेश किया है।

अटलजी को हमेशा रहा कविता से दूर होने का मलाल

अटलजी के जीवन में इस बात का मलाल हमेशा रहा कि वे कविता से दूर हो गए। एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने इसे लेकर बेहद दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कविता और राजनीति को लेकर कहा- 'मैं इसे अंतर्विरोध नहीं मानता। बचपन से मैंने कविता लिखना आरंभ किया। मैं पत्रकार बनना चाहता था। मैंने पत्रों का संपादन भी किया लेकिन जब श्रीनगर के अस्पताल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन हो गया तो मुझे राजनीति में आना पड़ा। राजनीति के रेगिस्तान में मेरी कविता की धारा सूख गई है।'

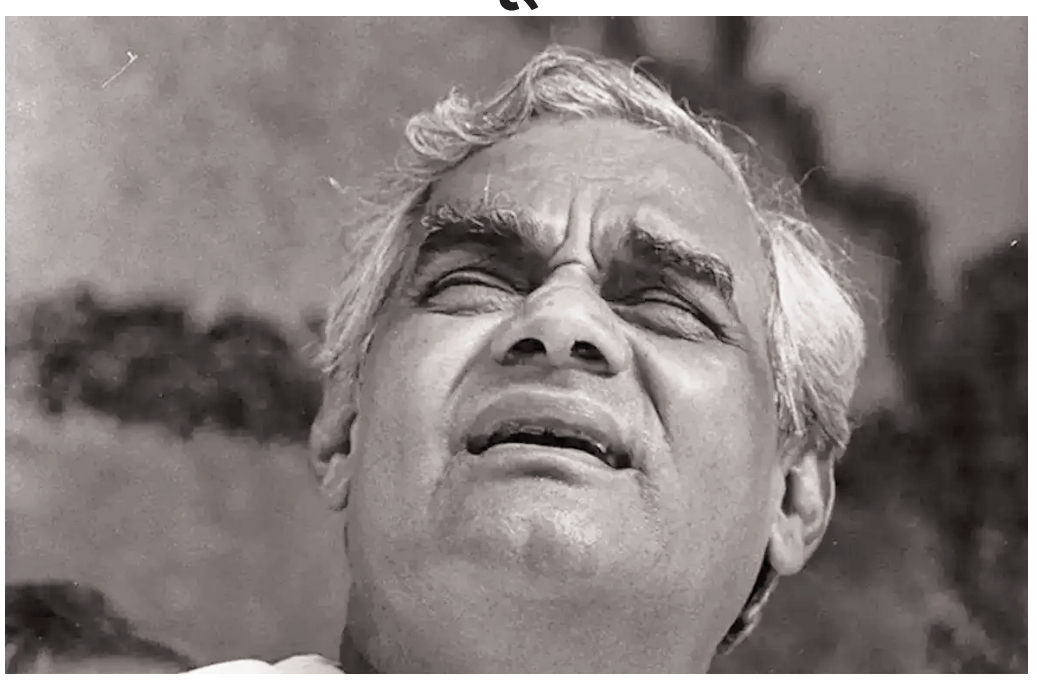

अटल बिहारी वाजपेयी मूलतः कवि बनने की अभिलाषा रखने वाले व्यक्ति थे, लेकिन जीवन में सब कुछ वही नहीं होता, जैसा हमने सोचा होता है। काल के कपाल पर लिखने-मिटाने की मंशा रखने वाले अटल बिहारी के साथ भी ऐसा ही हुआ था। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे राजनेता बनेंगे लेकिन ऐसा होने के पीछे उनकी वही कवि हृदय सरलता और वाक्पटुता सहायक बन गई, जो उनका सपना था। अपने कई साक्षात्कारों में अटल बिहारी ने स्वीकार किया है कि वे कवि या पत्रकार होना चाहते थे। कविताएं तो वे लिखते ही थे। वे चाहते थे कि हिंदी साहित्य में लेखकों की जो पंक्ति थी, उसमें भी उन्हें वह स्थान मिले। उनकी कविता की किताबें तो आईं लेकिन क्या वे स्थापित कवि या लेखक बन पाए? क्या साहित्य के इतिहास ने उन्हें कवि या साहित्यकार होने का दर्जा दिया? यह कहना थोड़ा सा मुश्किल है लेकिन राजनेता के तौर पर तो अटल बिहारी भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गए।

यह बात भी सही है कि जब कोई राजनेता कवि होता है तो वह सिर्फ कविता नहीं लिखता। वह एक देश के राजनैतिक इतिहास का एक हिस्सा होता है। ऐसे में उसकी कविता के साथ देश और दुनिया के इतिहास की झलक भी सामने आती ही है। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इमरजेंसी और भारत पाकिस्तान संबंधों की पृष्ठभूमि में जो गीत या कविताएं लिखीं, वे इन मुद्दों से उपजने वाली त्रासदी और मानव मन के उद्वेलन को ठीक-ठीक अभिव्यक्त कर देती हैं। जैसे इमरजेंसी के वक्त उनकी लिखी इन कुंडलियों से सत्ता पक्ष के मनमानेपन, तटस्थ लोगों की चुप्पी, तत्कालीन देश की दशा और जनता से उनकी प्रत्याशा के बारे में साफ अंदाजा लगाया जा सकता है।

'दिल्ली के दरबार में कौरव का है जोर,
लोकतंत्र की द्रौपदी रोती नयन निचोर,
रोती नयन निचोर नहीं कोई रखवाला,
नए भीष्म द्रोणों ने मुख पर ताला डाला,
कह कैदी कविराय बजेगी रण की भेरी,
कोटि-कोटि जनता न रहेगी बनकर चेरी।'

आजादी के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के संबंध ठीक नहीं रहे हैं। तीन-तीन युद्धों के बाद भी दोनों के मसले नहीं सुलझ पाए। यह बात जगजाहिर है कि अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भले ही कारगिल की जंग हुई हो लेकिन दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशें सबसे ज्यादा इसी समय में हुईं। अटल का रुख ऐसा था कि दोस्त बदले जा सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। इसलिए उनका जोर इस बात पर था कि जैसे भी हो भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंधों को नरम किया जाए।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने भी एक बार जिक्र किया था कि अटल ने उनसे पूछा कि कश्मीर मुद्दे का क्या समाधान हो सकता है। इस पर अब्दुल्ला बोले कि हम चाहते हैं कि बस दोनों देशों की सीमाएं इजी हो जाएं और लोगों का आर-पार व्यवहार शुरू हो जाए। इसी से समाधान निकलेगा। अटल ने सख्ती से इस पर सहमति जताई और कहा कि अब्दुल्ला साहब- मेरा भी तो यही मानना है। कश्मीर के लोगों को भारत के इस नायाब प्रधानमंत्री पर ही सबसे ज्यादा भरोसा भी हुआ करता था, ऐसा वहां के लोगों से बातचीत करके जाना जा सकता है।

अटल बिहारी वाजपेयी के एक कश्मीर दौरे पर किसी पत्रकार ने उनसे पूछा कि वाजपेयी साहब, कश्मीर पर बात संविधान के दायरे में होगी या उससे बाहर। इस पर हाजिरजवाब वाजपेयी ने कहा, कश्मीर पर बात इंसानियत के दायरे में होगी। अटल बिहारी वाजपेयी ईमानदारी से कश्मीर का मुद्दा सुलझाने में लगे थे। राजनैतिक एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अगर साल 2004 में एक बार फिर वाजपेयी की सरकार बनती तो कश्मीर मुद्दे की तस्वीर कुछ और होती। पाकिस्तान से संबंध सुधारने की दिशा में अटल बिहारी वाजपेयी की कोशिशों ने पड़ोसी देश में भी उन्हें काफी लोकप्रिय बनाया हुआ था। उन्होंने दिल्ली से लाहौर की बस सेवा शुरू की और खुद उस पर बैठकर पाकिस्तान गए थे। इस यात्रा के दौरान पाकिस्तानी पीएम नवाज शरीफ ने तो यहां तक कह दिया कि वाजपेयी साहब तो पाकिस्तान में भी चुनाव जीत सकते हैं।

कभी एक ही देश का हिस्सा रहे भारत और पाकिस्तान ने आपस में तीन-तीन जंगें लड़ी हैं। वाजपेयी का कवि मन इससे काफी व्यथित था। वे जंग के पक्षधर नहीं थे। उन्होंने अपनी कविता में अपना संकल्प लिखा-

'भारत-पाकिस्तान पड़ोसी साथ-साथ रहना है।
प्यार करें या वार करें दोनों को ही सहना है।
तीन बार लड़ चुके लड़ाई कितना महंगा सौदा।
रूसी बम हो या अमरीकी खून एक बहना है।
जो हम पर गुजरी बच्चों के संग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।'

साहित्यिक दृष्टिकोण से अटल बिहारी वाजपेयी की कविताएं मानकों पर चाहे जैसी हों, मानवीय कसौटी पर वे एक संवेदनशील मन की कोमल अभिव्यक्तियां हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की एक कविता की किताब की समीक्षा लिखवाने के लिए पॉयनियर के संपादक विनोद मेहता मशहूर साहित्यकार निर्मल वर्मा के पास लेकर गए। बहुत दिनों तक निर्मल वर्मा ने उसकी समीक्षा नहीं लिखी। काफी समय बात जब मेहता ने उनसे इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'ये कविताएं समीक्षा के योग्य नहीं हैं। यह एक नेकनीयत वाले नौसिखुए का प्रयास हैं। अगर मैं समीक्षा करूंगा तो इसकी जमकर खिंचाई करूंगा, जो मैं नहीं करना चाहता।'

अटलजी की कविताओं पर बाबा नागार्जुन की भी एक टिप्पणी मशहूर है। अपने फेसबुक पोस्ट में लेखक प्रभात रंजन ने एक संस्मरण साझा किया है। उन्होंने बताया कि अटलजी ने हिंदी के एक वरिष्ठ लेखक को अपनी किताब के प्रूफ का काम सौंपा था। उनके घर एक दिन नागार्जुन आए। दक्षिणपंथी होने का ठप्पा न लगे इसलिए लेखक साहब ने अटलजी की किताब छिपा ली लेकिन नागार्जुन ने उन्हें यह करते देख लिया था। नागार्जुन ने जबर्दस्ती की तो उन्होंने अटलजी की कविता उनके सामने कर दी और कहा, लीजिए देख लीजिए। अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं की पांडुलिपि है। इस पर नागार्जुन ने जवाब दिया कि इसमें छिपाने की क्या बात थी। अटल बिहारी भी अपने ढंग का अच्छा कवि है। जो मन में आता है बिना बनावट के लिख देता है।

उन लेखक महोदय ने जब अटलजी को यह बात बताई को वे आंखें बंद करके इसे सुनते रहे। फिर उठकर घर के अंदर चले गए। बाहर आकर फिर पूछा, तो बाबा नागार्जुन क्या कर रहे थे? लेखक साहब ने फिर वही बात बताई। वाजपेयी फिर कमरे में गए और बाहर आकर यही सवाल पूछा, तो बाबा क्या कह रहे थे? ऐसा उन्होंने दो तीन बार और किया। झल्लाकर लेखक ने पूछा कि अटलजी आप एक ही सवाल बार-बार क्यों कर रहे हैं? इस पर अटल जी बोले- 'आप नहीं समझेंगे। आज तक इतने बड़े किसी कवि ने मेरे पीछे मेरी कविताओं को अच्छा नहीं कहा था, इसीलिए बार-बार ये आपसे सुनने का मन कर रहा है।'

अटलजी के जीवन में इस बात का मलाल हमेशा रहा कि वे कविता से दूर हो गए। एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने इसे लेकर बेहद दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कविता और राजनीति को लेकर कहा- 'मैं इसे अंतर्विरोध नहीं मानता। बचपन से मैंने कविता लिखना आरंभ किया। मैं पत्रकार बनना चाहता था। मैंने पत्रों का संपादन भी किया लेकिन जब श्रीनगर के अस्पताल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन हो गया तो मुझे राजनीति में आना पड़ा। राजनीति के रेगिस्तान में मेरी कविता की धारा सूख गई है।'

अटलजी ने आगे कहा- 'कभी-कभी मैं फिर से कविता लिखने की कोशिश करता हूं लेकिन सच्चाई यह है कि मेरा कवि मेरा साथ छोड़ गया है और मैं पूरा राजनीतिक नेता बनकर रह गया हूं। मैं उस दुनिया में लौटना चाहता हूं लेकिन स्थिति वही है कि व्यक्ति कंबल छोड़ना चाहता है लेकिन कंबल व्यक्ति को नहीं छोड़ना चाहता। इस समय राजनीति को नहीं छोड़ा जा सकता लेकिन राजनीति मेरे मन का पहला विषय नहीं है। अभी इस समय इसे छोड़ना पलायन समझा जाएगा और पलायन नहीं करना चाहता।

हमें आत्मिक शुद्धि के पथ पर ले जाते हैं प्रभु यीशु मसीह

जब आप इस लेख को पढ़ रहे होंगें, तब तक क्रिसमस का उल्लास आपको घेर चुका होगा। चाहे आप ईसाई हों या नहीं, लेकिन क्रिसमस और उस दिन मिलने वाले अवकाश के बारे में जानते जरूर हैं। दीपावली जैसे अन्य भारतीय त्योहारों की तरह इस 'बड़े दिन' के स्वागत के लिए बहुत सारी तैयारियां उत्साह पूर्वक की जाती है। कुछ लोगों के लिए, यह यीशु का इस पृथ्वी पर आगमन दिवस है तो कई लोगों के लिए यह खरीददारी और उपहार देने का दिन है, जो उदारता और दयालुता की भावना को दर्शाता है । ऐसा लगता है कि यह सबके लिए नहीं है, लेकिन यह सबके लिए है। यह खुशी का ऐसा समय होता है जब परिजन और मित्र, यादगार स्मृतियां बनाने और जगमगाती रोशनी से सजी उत्सवी सजावट का आनंद लेने के लिए एकत्र होते हैं। यह उत्सव प्रायः क्रिसमस की पूर्व संध्या पर शुरू होता है, जिसमें लोग 24 दिसंबर की मध्य रात्रि से शुरू होकर 25 दिसंबर की सुबह तक चलने वाली मध्य रात्रि की प्रार्थना सभा या चर्च सेवा में भाग लेते हैं। क्रिसमस के दिन, विभिन्न चर्च यीशु के जन्म के सम्मान में सुबह की प्रार्थना आयोजित करते हैं। ईसाई किंवदंती के अनुसार, एक युवा महिला, माता मैरी को गेब्रियल नामक एक देवदूत ने दर्शन दिए और उन्होंने घोषणा की कि वह गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी। रहने के लिए सराय न मिलने के कारण, यीशु मसीह का जन्म एक पशुशाला में हुआ था और उन्हें एक चरनी में लिटाया गया था। जब परमेश्वर मानव रूप में दुनिया में प्रवेश करता है तो चरवाहे डोलते हैं, देवदूत गाते हैं, और दुनिया आनंदित होती है। जन्म के तुरंत बाद, बेथलेहम के चरवाहों के पास एक स्वर्गदूत आया और घोषणा की कि इस धरती पर एक उद्धारकर्ता का जन्म हुआ है। पश्चिम से बुद्धिमान लोग एक तारे के मार्गदर्शन में नवजात राजा से मिलने आए थे। तब से, दुनिया भर के ईसाई इस दिन को मनाते हैं और प्रभु यीशु को उनके बलिदान के लिए याद करते हैं। अधिकतर लोगों यही समझते हैं कि सजावट+ सांता+ उपहार+ बधाई = क्रिसमस। पेड़ के तले उपहार रखना, खिड़कियों में रोशनी करना, ग्रीटिंग कार्ड भेजना, परिवार और दोस्तों के साथ दावत उड़ाना और सड़कों पर हमारे पास से गुजरने वालों को उत्तेजनापूर्ण स्वर में 'मेरी क्रिसमस' कहना, क्या यह सचमुच क्रिसमस है। गुजरते समय के साथ हम यह भूल जाते हैं कि इस त्योहार को सार्थक तरीके से कैसे मनाया जाता है । साल दर साल यदि आपको क्रिसमस एक उत्सव से कहीं अधिक एक दायित्व जैसा लगने लगता है, तो इसके लिए हमारे अलावा और कौन दोषी है। यह जान लेना जरूरी है कि आप स्वयं परमेश्वर के बेपनाह प्रेम का एक चमत्कार हैं। वही परमेश्वर जिसने धरती, गगन, सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बनाया है, उसी करुणा के सागर ने आपको भी जन्म दिया है। लेकिन एक निर्दोष शिशु रूप में जन्म के बाद बढ़ती उम्र के साथ शैतानियत, लालच, और ईर्ष्या के भाव जब हावी हो जाते हैं तब हम क्रिसमस की मूल भावना को भूला बैठते हैं। इसके बावजूद हमारे अंदर की मानवता, करुणा, आशा और प्रेम की भावना कभी मरती नहीं है। यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे आप खोज नहीं सकते हैं, यह जन्म से ही हमारे भीतर भरा होता हैं।

हम सभी पापी स्वभाव के साथ ही पैदा हुए हैं और हम सभी ने अपने जीवन में किसी न किसी समय पाप किया है। हमारे यह पाप हमें भगवान से दूर ले जाते है । हम सभी को पाप विरासत में मिला है और इसको मिटाने का एकमात्र रास्ता यीशु के माध्यम से आता है। यीशु ने जन्म लिया ताकि वह हमारे सभी पापों के लिए सलीब पर लटक सकें। अगर हम मानते हैं कि यीशु ने हमारे लिए अपने प्राणों की बलि दी और हमें पापों से मुक्ति प्रदान की, तो हम उनसे हमारे मन में बसने और हमें माफ करने के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। इस तरह हम निर्मल और पूर्ण होकर वास्तव में प्रसन्न हो सकते हैं। उनका जन्म और उनका बलिदान हमें आत्मिक शुद्धि के पथ पर ले जाता है।

क्रिसमस हर्ष और आनंद दोनों से भरपूर है, दुनिया भर में 3 अरब से अधिक लोग बेथलहम में भगवान के पुत्र यीशु मसीह के जन्म का जश्न मनाते हैं। वे इस धरती पर क्यों आए, भगवान ने अपने बेटे को इस क्रूर और कठोर दुनिया में भेजा ताकि वह मनुष्यता के सारे पापों को धोने और उन्हें उनके आत्मिक मार्ग पर लाने का कारण बन सके। उसने यीशु को हमारे पास भेजा ताकि एक दिन वह दुनिया में सच्चाई, प्रेम, आशा, करुणा और शांति लाए। इससे हम सभी को अपने पापों से मुक्ति मिलेगी। इस आधुनिक युग में, हम क्रिसमस को धर्मनिरपेक्ष आध्यात्मिकता से जोड़कर देखने लगे हैं। एक ऐसा उत्सव जो पारंपरिक रूप से विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों द्वारा पल्लवित संस्कार और मान्यताओं द्वारा चिह्नित उत्साह और उमंग के साथ पारिवारिक मौज-मस्ती के रूप में मनाया जाता रहा है। लेकिन कई लोगों के लिए, क्रिसमस दुःख का समय है। तो कई लोग क्रिसमस के समय उदास मन से अपने उन प्रियजनों के बारे में सोचते हैं जो विभिन्न कारणों से घर नहीं आ पाएंगे। कुछ लोगों के लिए भरपेट रात्रिभोज वास्तविकता से दूर केवल एक कल्पना भर हो सकती है। उनके पास अपने बच्चों, परिवार और दोस्तों के लिए उपहार खरीदने के लिए अतिरिक्त राशि भी नहीं है। आज क्रिसमस जैसे त्योहारों को खुशी, एकजुटता, उदारता और शांति के अवसर के रूप में चित्रित किए जाने की आवश्यकता है। इस वर्ष क्रिसमस को एक नए नजरीए से देखें। भले ही आपके पास ऐसे दायित्व हों जिन्हें पूरा करना कठिन हो, फिर भी जरूरतमंदों की बेहतरी के लिए समय निकालिए। सच मानिये दूसरों को खुशी देना अद्भुत है। उपहार खरीदने के स्थान पर किसी अपने के साथ समय बीताए, उपहार को गिफ्ट पेपर में लपेटने की बजाय किसी को गले लगाकर अपने स्नेह में लपेटे, कूरियर से उपहार भेजने की बजाय उनसे मिलकर या फोन पर बातचीत कर आत्मिक शांति भेजने का प्रयास करें, पार्टी के लिए अनावश्यक भोज्य पदार्थ खरीदने की बजाय वंचितों को भोजन करवाए, सड़कों पर रोशनी करने की बजाय किसी की अंधेरी जिंदगी में प्रकाश भरें। और एक सार्थक क्रिसमस मनाए। सभी पाठकों को एक खुशगवार क्रिसमस की शुभकामनाएं।

दंतेवाड़ा में देश का पहला वन मंदिर, राशि, ग्रह और नक्षत्रों के पौधे बना रहे आकर्षण का केंद्र

दंतेवाड़ा. छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के आवराभाटा में देश का पहला वन मंदिर बनाया गया है। लगभग 4.5 करोड़ रुपये की लागत से 18 एकड़ भूमि पर निर्मित यह अनोखा मंदिर पर्यावरण, आध्यात्म और पारंपरिक चिकित्सा का संगम प्रस्तुत करता है।

वन मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां सात अलग-अलग थीम पर आधारित वन विकसित किए गए हैं, जिनमें राशि, ग्रह और नक्षत्रों से संबंधित पौधों को लगाया गया है। साथ ही गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए औषधीय पौधों और योग अभ्यास के लिए विशेष स्थान तैयार किए गए हैं।

सात थीम पर आधारित वन

वन मंदिर में बनाए गए सात वनों में प्रत्येक की थीम भारतीय संस्कृति और विज्ञान पर आधारित है। इनमें राशि वन, ग्रह वन, नक्षत्र वन, योग और औषधीय वन, आध्यात्मिक वन, आनंद वन और शिक्षा एवं अनुसंधान वन शामिल हैं।

राशि वन में 12 राशियों से संबंधित पौधे लगाए गए हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं।

ग्रह वन में नौ ग्रहों के अनुरूप पौधों को लगाया गया है, जो ग्रहों के प्रभाव को कम करने में सहायक माने जाते हैं।

नक्षत्र वन में 27 नक्षत्रों से जुड़े पौधे लगाए गए हैं, जो सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन को बढ़ावा देते हैं।

योग और औषधीय वन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए हर्बल पौधों को शामिल किया गया है।

पर्यावरण और आध्यात्म का अनोखा संगम

वन मंदिर का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, पारंपरिक चिकित्सा और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देना है। यह स्थल पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता फैलाने का केंद्र भी है।

मंदिर में औषधीय पौधों के अलावा ध्यान और योग के लिए शांतिपूर्ण स्थान विकसित किए गए हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य और शांति के लिए अत्यधिक उपयुक्त हैं।

स्थानीय समुदाय को मिल रहा लाभ

वन मंदिर स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार का एक नया अवसर बनकर उभरा है। पौधों की देखभाल, पर्यटकों को गाइड करना और विभिन्न अभियानों में सहभागिता के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक विकास के नए रास्ते खुले हैं। यह वन मंदिर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश और विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। यहां आने वाले लोग राशि, ग्रह और नक्षत्रों के पौधों को देखकर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं और योग एवं ध्यान के माध्यम से शारीरिक और मानसिक शांति का अनुभव कर रहे हैं।

भारत में एक नई पहल

दंतेवाड़ा का यह वन मंदिर प्रकृति और संस्कृति के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल पर्यावरणीय असंतुलन और मानसिक तनाव के खिलाफ एक सकारात्मक कदम है। इस मंदिर के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन में भी सुधार लाया जा सकता है।

वन मंदिर ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और पर्यावरण संरक्षण को आधुनिक संदर्भ में जोड़कर एक नई मिसाल कायम की है।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

क्षेत्र के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हु- अनुभा मुंजारे

पांढरवानी में जन कल्याण शिविर में शामिल हुई विधायक अनुभा मुंजारे

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, मैं जनता की सेवक हूं और अपने क्षेत्र के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है,मैं जो कुछ भी हूं आपकी बदौलत हूं आपके विश्वास व आशीर्वाद दिया है इसलिए वह इस मुकाम पर है. इसी का परिणाम है कि जो कुछ भी क्षेत्र में कार्य हो रहे है वह आपके माध्यम से हो रहा है. क्योंकि अभी 1 साल का कार्यकाल हुआ है और आगे 4 साल का कार्यकाल है निश्चित ही हम अपने क्षेत्र के विकास को लेकर संकल्प के साथ पूरा करेगे। उक्तशय की बातें बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने लालबर्रा के पांढरवानी में आयोजित जनकल्याण शिविर में कही बता दे कि लालबर्रा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पांढरवानी में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया

था। जिसमें विधायक अनुभा मुंजारे सहित विधायक प्रतिनिधि और पांढरवानी सरपंच अनीश खान, विभागीय अधिकारी और कर्मचारी तथा हितग्राही बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिन्हे सम्बोधित करते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने कहां कि आप सभी को इस बात को भी देखा जाना चाहिए कि आपका जन प्रतिनिधि जिसे आपने चुना है वह किस तरह से कार्य कर रहा है या नहीं आपकी बातों को शासन प्रशासन के समक्ष उठा रहे हैं या नहीं,कार्य कितना कर रहे हैं,इन सभी बातों का ध्यान रखना चाहिए,क्योंकि वह हमेशा प्रयास करते रहती है कि आपने जो मुझे जिम्मेवारी दी है उसे जिम्मेवारी के अनुरूप कार्य करूं और इसके लिए लगातार प्रयासरत रहती है विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि क्षेत्र में आज जो भी कार्य स्वीकृत हुए या हो रहे हैं वह अभी एक छोटा सा प्रयास के रूप में कह सकते हैं लेकिन आगामी जो 4 साल है इसमें निश्चित ही हम अपने बालाघाट लालबर्रा क्षेत्र की तस्वीर बदलने में कामयाब होंगे. सड़क,पुल पुलिया,बिजली,पानी और पंचायतो से लेकर तमाम क्षेत्रों में विकास कार्य कराए जाएंगे।उन्होंने जन कल्याण शिविर के संदर्भ में कहा कि सरकार की मंशा है कि इन शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों को योजनाओं का त्वरित लाभ मिले या उनकी जो समस्या है वह निराकृत होवे और इस शिविर का औचित्य तब ही है जब हम शासन की मंशा को अमली जामा पहनाते हुए इन हितग्राहियों को लाभ दिलवाएं अगर हितग्राहियों को हम योजनाओं का लाभ नहीं दिला पाते हैं तो इन शिविरों के औचित्य पर सवाल उठेगा अत: हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि जनकल्याण शिविर के माध्यम से जो भी समस्या शिकायतें या लोगों ने अपनी उम्मीद जिस आशय से भी यहां रखी है उसे हम निराकरत करने का प्रयास करें।

तेलीबांधा पुलिस ने दो दिन में पाई सफलता दिगम्बर जैन मंदिर में चोरी का खुलासा

एक महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार, 15 लाख के आभूषण जब्त

मयंक श्रीवास्तव । सिटी चीफ

रायपुर, रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्रांतर्गत लाम्हंडी स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में चोरी का खुलासा पुलिस ने कर दिया है, पुलिस ने एक महिला सहती तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं आरोपियों के पास से 15 लाख के सोने चांदी के आभूषण जब्त किये गए है। कार्यवाही में निरीक्षक विनय सिंह बघेल थाना प्रभारी तेलीबांधा, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट से प्रभारी निरीक्षक परेश पाण्डेय, सउनि अतुलेश राय, प्र.आर. प्रमोद वर्ठी, म.प्र.आर. बसंती मौर्या, आर. केशव सिन्हा, दिलीप जांगड़े, बोधन मिश्रा, विक्रम वर्मा, राजेन्द्र

तिवारी, नितेश राजपूत तथा थाना तेलीबांधा से सउनि संतोष यादव, प्र.आर. अमित सिन्हा, रामनारायण पटेल तथा आर. सुनील चंदेल एवं प्रमोद चंद्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल पयारी नंबर 1

जिला अनूपपुर में आयोजित हुआ ट्रेफिक अवेयरनेस कार्यक्रम

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, आम जन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाकर नियमों की अनभिज्ञता के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से स्कूल/कालेज के छात्र-छात्राओं के बीच यातायात पुलिस द्वारा अधिक से अधिक ट्रेफिक अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

इसी क्रम मे आज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पयारी नंबर 1, जिला अनूपपुर मे छात्र-छात्राओं के बीच ट्रेफिक अवेयरनेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें यातायात प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा बच्चो को ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन ,रोड मार्किंग ,सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति एवं कारण, सड़क पर पैदल चलते समय सावधानियां ,राइट ऑफ वे, गुड सेमोरिटन योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना, लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया आदि के विषय में विस्तार से बताया गया। बच्चों ने ट्रैफिक रूल्स के विषय में

विभिन्न प्रश्न पूछे जिसका प्रति उत्तर ट्रैफिक प्रभारी द्वारा दिया गया । कार्यक्रम में लगभग 150 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। विद्यालय के प्रिंसिपल मनोज तिवारी, थाना यातायात से आरक्षक योगेंद्र सिंह आरक्षक गणेश यादव भी कार्यक्रम उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर ने 90 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

अनूपपुर, जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पांडेय ने 90 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में तहसीलदार अनूपपुर एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में नगरपालिका कोतमा वार्ड नंबर 7 की निवासी शबनम बानो ने बीपीएल कार्ड बनवाने, ग्राम पंचायत तुलरा तहसील पुष्पराजगढ़ के श्री आसाराम ने ग्राम पंचायत तुलरा के अधूरे कार्यों की जांच कराकर कार्यवाही करने, ग्राम पसला तहसील अनूपपुर के श्री मान सिंह ने अनूपपुर बायपास मार्ग के निर्माण में भूमि का अधिग्रहण करने पर मुआवजा दिलाए जाने, ग्राम खाड़ा तहसील अनूपपुर की श्रीमती ललिता ने मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम सुधारने के संबंध में, कोतमा के अब्दुल हुसैन ने रहवासी मकान में विद्युत कनेक्शन कराने, राजनगर तहसील कोतमा के अहमद अंसारी ने शौचालय बनवाने, ग्राम बदरा तहसील अनूपपुर के निवासी विजय चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम करपा तहसील पुष्पराजगढ़ के श्री

धनीराम सिंह ने उनके पट्टे की भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने, ग्राम सुलखारी तहसील जैतहरी के श्री बेचू कोल ने मछली पालन हेतु तालाब का पट्टा बनवाने के संबंध में आवेदन दिए। जिस पर संयुक्त कलेक्टर ने आवेदनों को संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारी की ओर प्रेषित करते हुए आवेदनों का निराकरण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

बायपास सड़क निर्माण हेतु जमीन अधिग्रहण में किसानों के साथ हो रहा अन्याय

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर जिले के बर्री ग्राम के किसानों द्वारा आज कलेक्टर अनुपपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया जिसके अनुसार ग्राम से बायपास सड़क का निर्माण किया जा रहा हैं जिसके लिए किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है जिसकी मुआवजे की राशि अत्यंत कम दी जा रही है किसानों ने जानकारी देते हुए बतलाया कि हमारा ग्राम विशिष्ट ग्राम में आता है एवं जिले से लगा हुआ है जिसके कारण हमारे ग्राम की जमीनों का बाजार मूल्य बहुत अधिक है और जमीन खरीदने पर मुआवजे से कही ज्यादा राशि तो हमने शासन को पंजीयन शुल्क एवं स्टांप शुल्क के रूप में दिया

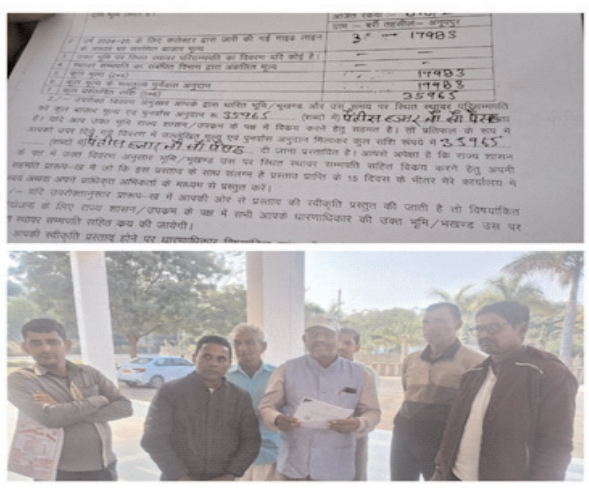

है और अब अगर ये 6000 रुपए प्रति डिसमिल के हिसाब से हमें मुआवजा देकर हमसे जमीन अधिग्रहण करते है तो हमारी रोजी रोटी का साधन तो जायेगा ही साथ ही कम मुआवजा राशि मिलने के कारण आर्थिक रूप से भी हमारा नुकसान हो रहा है अगर हम फिर कही जमीन लेकर खेती करना चाहे तो इस मुआवजा राशि में हमें कही भी जमीन उपलब्ध नहीं होगी जिससे हमारे परिवार का पालन पोषण करना भी संभव नहीं होगा अत: हम सभी ग्राम वासी किसान बहुत ही व्यथित है और प्रशासन से आवेदन कर रहे है कि हमारी इस व्यथा को समझते हुए उचित कार्यवाही करने की कृपा करे , ग्राम वासियों ने ये भी बताया कि हमने से कुछ किसानों ने तो अभी कुछ समय पूर्व ही ग्राम में जमीन महंगे दाम पर खरीदी है और इसकी रजिस्ट्री शुल्क भी मुआवजा राशि से ज्यादा दी है तो हमारी तो सारी पूंजी ही जा रही है । कृपया इस बात का ध्यान रखने की कृपा करे।

अमरकंटक में विगत रात दुकानों में लगी अग्नि के घटना स्थल का विधायक

कलेक्टर एवं एसपी ने निरीक्षण कर लिया जायजा

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक के वार्ड नंबर 12 में सोमवार को गत रात्रि आग लग जाने से आग की लपेट में कई दुकानें आ गई। उक्त घटनास्थल का विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ के विधायक श्री फुन्देलाल सिंह मार्को, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने दुकानदारों से चर्चा कर आग लगने की घटना की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस

अधीक्षक ने घटना से संबंधित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह, उपाध्यक्ष श्री रज्जू सिंह नेताम, एसडीएम पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

कार्यक्रम में खाद्य पदार्थ में मिलावट संबंधी डेमोंसट्रेशन भी दिया गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उपभोक्ताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया एवं पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक दमोह और पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने कलेक्ट्रेट परिसर में लगाए गए शिवरों का अवलोकन किया। शिविर में दी जा रही योजनाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही शिविर में आए आमजनों से चर्चा की। कार्यक्रम में खाद्य पदार्थ में मिलावट संबंधी डेमोंसट्रेशन भी दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने उपभोक्ताओं को जागरूक करने सम्बंधी अपने विचार विस्तार से रखें।

इस अवसर पर जिला न्यायधीश एवं अध्यक्ष उपभोक्ता फोरम ऋषभ कुमार सिंघई ने कहा आज पूरा देश राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मना रहा है। वर्तमान समय में समय की मांग यह है कि प्रत्येक व्यक्ति उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक हो, उपभोक्ता सेवाओं का विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है, ऑनलाइन भी प्राप्त हो रही हैं, फिजिकल भी आप प्राप्त कर रहे हैं, बाजार जाने की जगह लोग घर बैठे सामान मांगा रहे हैं, उनपे भी उपभोक्ताओं के अपने अधिकार उसी प्रकार हैं जैसे आप बाजार से कोई वस्तु खरीदते हैं। उन्होंने कहा मोबाइल बाजार से लाये या ऑनलाइन मंगाए उस पे रिपेरिंग की गैरॅन्टी वारंटी और सही कीमत इन सब के बारे में उपभोक्ता अधिनियम में आपके अधिकारों को प्रावधानित किया गया है, आपको सुरक्षा प्रदान की गई है, आप अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहीं और उचित सेवा प्राप्त करें। उन्होंने बताया 20 लाख तक का प्रकरण जिला लेवल तक ला सकते हैं, 5 लाख तक के प्रकरण पर कोई न्याय शुल्क नहीं लगता है, 5 लाख के ऊपर न्याय शुल्क लगभग एक हजार रूपये से नीचे तक जाता है, राज्य स्तर पर 20 लाख से 1 करोड रुपए तक का प्रकरण ला सकते हैं और एक करोड़ के ऊपर का प्रकरण राष्ट्रीय आयोग दिल्ली में जाता है।पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर यहां पर अलग-अलग कैंप लगे हुए हैं, सामान कैसे मेजरमेंट से लेना है के लिए स्टॉल लगा हुआ है कि यदि किसी चीज में मिलावट है या गड़बड़ी है तो उसकी चेकिंग कैसे कर सकते हैं और भी जन जागरूक करने के लिए, जनता के हित के लिए जो-जो भी काम हो सकते हैं, खाद्य विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष में आप लोगों के लिए किए हैं। उन्होंने कहा यहां पर वकील भी बैठे हैं जो राशि व्यय नहीं कर सकते हैं वह उनसे निःशुल्क सलाह ले सकते हैं, यह भी एक बड़ी सेवा है जिसका बंदोबस्त सरकार ने किया है।प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया ने कहा जानकारियां लोगों तक जाना चाहिए, यहां जितने लोग उपस्थित हैं बहुत जीनियस लोग हैं, कुछ सीखने की, समझने की उत्सुकता है ऐसे लोग यहां पर विराजमान है, लेकिन इनमें से बहुत से ऐसे होंगे जिनको इन सारी बातों की जानकारी नहीं है। यह जो जागरूकता का शानदार प्रयास किया गया है इसके लिए मैं धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कानून विद लोगों से आग्रह करते हुए कहा अपनी तरफ से कुछ ऐसे पर्चे बनवा करके जिनमे छोटी-छोटी बातें हो जो लोगों की समझ में आ सके, उनको लोगों तक जरूर भेजें, ताकि उनका अध्ययन करके अपने अधिकारों को समझ सके।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए और इस सिलसिले में उपभोक्ताओं के हितों से जुड़ी हुई सामग्रियाँ, उपकरण और जो टेस्टिंग की मेथड्स है, उसको प्रदर्शित करने के लिए आज ये कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कार्यक्रम में उपभोक्ता प्रति तोषण आयोग के अध्यक्ष और सदस्य महोदय का आभारी हूँ, जो कि आज यहाँ पधारकर शिविर का अवलोकन किया और साथ

में अपना मार्गदर्शन इस शिविर को प्रदान किया। इसके अलावा विद्यायक जयंत कुमार मलैया जी, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष कुसमरिया जी भी इस कार्यक्रम में आए और पूरे शिविर का अवलोकन किया और उन्होंने भी अपनी ओर से अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा हर व्यक्ति एक उपभोक्ता है, हम सभी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे और जिला प्रशासन के तौर पर हम प्रतिबद्ध हैं की उपभोक्ताओं की जागरूकता को गांव-गांव तक पहुंचाए, उसके लिए भी हम लोग प्लान कर रहे हैं कि कैसे हर गांव तक ये जागरूकता की लहर हम पहुंचा सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन मनीष नागाईच एवं विपिन चौबे द्वारा किया गया। इस दौरान नापतौल, खाद्य विभाग, डॉक घर सहित अन्य विभागों के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में विशाल किसान सम्मेलन और कृषि विज्ञान मेला का आयोजन आज

कलेक्टर ने जिले के किसान भाई-बहनों से सम्मेलन में उपस्थित होने किया आग्रह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा 25 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से दमोह कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में एक विशाल किसान सम्मेलन और कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा केन-बेतवा सिंचाई परियोजना का प्रधानमंत्री जी द्वारा जो शिलान्यास किया जा रहा है, उसका सीधा प्रसारण किया जाएगा और दूसरी तरफ किसानों से जुड़ी हुई अनेक सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा उन्नत बीज, उन्नत कृषि यंत्र, उपकरण और तकनीकों का प्रदर्शन यहाँ पर किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग स्थानों से इस संबंध में यंत्रों को बुलाया है और किसानों के प्रदर्शन के लिए वो रखे रहेंगे।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर किसान भाई-बहनो से आग्रह करते हुये कहा है किसान सम्मेलन में जरूर आएं और नई और उन्नत तकनीकों के बारे में, कृषि से संबंधित उपकरणों के बारे में जानकारी लें और अपनी खेती को लाभ का धंधा बनाएं। इसके साथ में ही फार्मर रजिस्ट्री की सुविधा भी हम यहाँ पर दे रहे है। 70 प्लस से अधिक के किसान भाई बहनों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा भी यहाँ पर रहेंगी। यह शिविर प्रातः 11 बजे से शाम को 4 बजे तक चलेगा। बड़ी संख्या में इस शिविर में उपस्थित हो। इस शिविर में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के उत्पाद भी यहाँ पर प्रदर्शित किए जाएंगे। सभी किसान भाई बहनों से आग्रह है कि किसान सम्मेलन में जरूर पधारे।

कटनी में सहारा इंडिया घोटाले के खिलाफ कांग्रेस ने करा जोरदार प्रदर्शन

संजय पाठक पर घोटाले के आरोप- कांग्रेस का तहसील गेट पर धरना, पुलिस ने किया वाटर कैनन का इस्तेमाल

सुनील यादव। सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के तहसीली कार्यालय का सैकडो कांग्रेसी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने सहारा इंडिया के निवेशकों के साथ जोरदार नारेबाजी कर तहसील के मेन गेट पर चढ़ अंदर जबरन घुसने की कोशिश की जिसको देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सभी प्रदर्शनकारियों पर वाटर केनन से पानी छुड़वा उन्हें इतर बितर किया गया। कांग्रेसियों ने आरोप लगाते हुए बताया कि जिले के विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक अपने परिवारों के नाम से भोपाल में करोड़ों रुपए की सहारा इंडिया की जमान को कौड़ियों के भाव खरीदी है और इसका खुलासा भोपाल में बीते दिनों हुई विभिन्न जांच एजेंसियों की रेड में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी, क्वालिटी ग्रुप, ईशान ग्रुप और इनसे जुड़े कुछ दलालों से महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। इनमें न केवल बेनामी संपत्तियों, शैल कंपनियों, सोना-चांदी आदि की जानकारी जांच एजेंसियों को मिली, बल्कि सहारा के निवेशकों से जुड़ा एक बड़ा धोखाधड़ी का

मामला भी उजागर हुआ है। इस मामले में करोड़ों की कीमत की सहारा समूह की जमीनों को मिलीभगत से संजय पाठक ने भी अपने परिजनों के नाम इस जमीन को आधे से भी कम दाम पर खरीदना पाया गया। इसका सीधा असर निवेशकों को लौटाई जाने वाली राशि पर पड़ा है।

कांग्रेस के युवा जिला अध्यक्ष अंशु मिश्रा ने आरोप लगाते हुए बताया भोपाल में बीते दिनों हुई विभिन्न जांच एजेंसियों की रेड में यह पाया है कि मध्य प्रदेश के भोपाल में स्थित सहारा इंडिया की करोड़ रुपये मूल्य की जमीनों को कटनी के संजय पाठक ने कंपनी के अधिकारियों के साठ गांठ कर अपने परिजनों के नाम माटीमोल खरीदी है। वही यह आशंका जताई कि इस बड़े घोटाले में कही न कही संजय पाठक शामिल है। जिसके विरोध में आज यह तहसीली कार्यलय का घेराव किया गया है। जिस दौरान पुलिस ने जबरन उनपर वाटर केनन का स्तेमाल किया और उन्हें अरेस्ट किया गया। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अंशु मिश्रा ने यह भी बताया कि इस खरीद-फरोख्त में फायदा जिनका भी हुआ, नुकसान उन निवेशकों का हुआ है, जिनका पैसा सहारा में फंसा था और केंद्र सरकार ने जिसे लौटाने का वादा किया था।

2 दिन पहले हुए विवाद को लेकर ऑटो चालक पर दनादन चाकुओं से वार

जिला अस्पताल में हुई घायल की मौत

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, ऑटो में सवारी भरने को लेकर दो दिन पहले हुए विवाद और मारपीट की घटना के कारण आज एक ऑटो चालक को लगभग एक दर्जन युवकों ने मारपीट करते हुए दनादन चाकू मार दी। दोपहर लगभग 2:30 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड चौकी के अंतर्गत आने वाली इंडिया होटल के समीप हुई घटना में चाकू बाजी का शिकार हुए युवक को गंभीर हालत में शासकीय जिला अस्पताल लाया गया जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि लगभग आधा दर्जन चाकू के वार मृतक के शरीर पर मौजूद हैं। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली एवं बस स्टैंड चौकी प्रभारी शासकीय जिला अस्पताल पहुंच गए।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत पहरुआ निवासी 36 वर्षीय लकी गुप्ता पिता स्वर्गीय प्रमोद गुप्ता ऑटो चलाकर जीवन यापन करता था। 2 दिन पहले ऑटो में सवारी भरने की बात को लेकर घायल लकी का विवाद अहमद नगर के समीप गत 22 दिसंबर को सुमित बर्मन, आर्यन बर्मन और सौरभ यादव नामक युवकों से हुआ था। विवाद के बाद मारपीट भी हुई थी जिसके कारण लकी के सिर पर चोट भी आई थी और इस घटना की शिकायत बस स्टैंड चौकी में कराई गई थी। बताया जाता है कि मंगलवार दोपहर लगभग 2:30 बजे लगभग एक दर्जन युवकों ने लकी को इंडिया होटल के समीप कुछ बात करने के बहाने बुलाया और उस पर दनादन चाकू से हमला करना शुरू कर दिया। लकी के ऊपर एक दर्जन से अधिक चाकू से वार किए गए। घायल को गंभीर हालत में शासकीय जिला अस्पताल लाया गया जहां पर कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

ससुराल विवाद के बाद लापता युवक की मौत

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी के कुठला थाना अंतर्गत लामतारा के जंगल में एक युवक की क्षतविक्षत लाश पाई गई। युवक 21 दिन पहले 3 दिसंबर को अपनी ससुराल पिलौंजी गया था जिसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। ससुराल में भी उसकी किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई थी। ससुराल से नाराज होकर घर के लिए निकला युवक अचानक लापता हो गया था जिसके 21 दिन बाद लामतरा के जंगलों में उसकी क्षतविक्षत लाश पाए जाने से खलबली मच गई। परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जाहिर करते हुए ससुराल वालों पर ही संदेह व्यक्त किया है। कुठला टीआई अभिषेक चौबे ने बताया कि अर्जुन भूमिका रीठी थाना क्षेत्र के थनोरा गांव का रहने बाला था और कई दिनों से लापता था। पुलिस ने बताया की कुछ दिन पहले युवक अपनी ससुराल ग्राम पिलौंजी आया था। जहाँ उसका अपनी साली को शराब के नशे में

डांस करने को लेकर बात विवाद हो गया था और ससुराल बालो से झगड़ा हो गया था। उसके बाद युवक अपने ससुराल पिलौंजी से चला गया। उसके बाद आज उसकी लाश मिली हैं। इस घटना के संबंध में कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेते हुए जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्ग दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है। वहीं मृतक के बड़े भाई अजय भूमिया ने कहा कि 3 दिसंबर को वह शाम 5 बजे घर से अपनी ससुराल गया था जहां से रात 10 बजे वह घर वापस आने के लिए निकला लेकिन बीच रास्ते से ही वह गायब हो गया। अरविंद के साले और उसके चार-पांच साथी उसकी तलाश में भी उसी रात निकले थे लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। मृतक के भाई ने ससुराल वालों पर हत्या की आशंका जाहिर करते हुए कार्यवाही की मांग की है।

जामिया तिब्बिया देवबन्द के चीफ पैट्रर्न डॉ. अनवर सईद अलीगढ़ में हुए सम्मानित

अजमल खॉ तिब्बिया कालेज,अलीगढ़ के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डॉक्टर अनवर सईद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, अजमल खॉ तिब्बिया कालेज,अलीगढ़ में खेल सप्ताह का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जामिया तिब्बिया देवबन्द के चीफ पैट्रर्न डॉ. अनवर सईद को मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस संबंध में डा. अनवर सईद ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अजमल खॉ तिब्बिया कालेज, अलीगढ़ में इस तरह के आयोजन बार-बार होते रहते है। इसमें मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण करना मेरे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जीवन के लिए जहाँ शिक्षा जरूरी है वहीं खेलकूद भी ज़रूरी है। जिससे स्वास्थ बना रहता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा आयुष चिकित्सकों के लिए अनेक योजनायें चलायी जा रही है आयुष चिकित्सकों को इनका लाभ उठाना चाहिये। यह बात पूरे विश्व में स्थापित हो चुकी है कि जटिल एवं पुराने रोगों में आयुष चिकित्सा पद्धति अपना विशेष योगदान रखती है। अतः नौजवान आयुष चिकित्सक पूरे जोश के साथ अपनी पद्धति का चिकित्सा में प्रयोग करें तथा उसी का विस्तार और प्रचार करें। डीन फैकल्टी डा0 उबैदुल्लाह बैग ने भी वर्तमान समय में आयुष चिकित्सा की विभिन्न शाखाओं की प्रासंगिक्ता पर बल दिया। इस अवसर पर अजमल खां तिब्बिया कालेज के प्राचार्य डा0 बदरूदुजा खान ने कहा कि आज की इस भागदौड़ वाली जिंदगी में हमें कुछ समय निकालकर खेल की तरफ भी ध्यान देना चाहिये। जिससे हमारा स्वास्थ तंदरूस्त रहे और उन्होंने आयुष चिकित्सकों से आग्रह किया कि जिस तरह ऐलोपैथिक वाले अपनी पद्धति को बढ़ावा देते है इसी तरह हमें भी यूनानी पद्धति को बढ़ावा देने के लिये कड़े कदम उठाने चाहिये। जिससे यूनानी का उत्थान हो सकें। अन्य वक्ताओं ने भी यूनानी चिकित्सा पद्धति के प्रचार- प्रसार पर अपने-अपने विचार रखें। कालेज के खेल सप्ताह में शिक्षकों और छात्रो के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट व फुटबाल टूर्नामेंट भी आयोजित किया गया। क्रिकेट टूर्नामेंट में शिक्षकों की टीम ने बाजी मारी। जिसके कप्तान डा0 अनस थे और फुटबाल टूर्नामेंट में छात्रों की टीम ने बाजी मारी। जिसके कप्तान फाहद अल्ताफ थे। कार्यक्रम का आयोजन अजमल खॉ तिब्बिया कालेज के आडिटोरियम में यूनिवर्सिटी के तराने से आरंभ होकर राष्ट्रगान पर समाप्त हुआ। इस दौरान डॉक्टर रशीद को अनवर सईद उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डा0 दिनेश खतरी डिप्टी सी0 एम0 ओ0, डा0 अजीजुर्रहमान खेल इन्चार्ज आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का स्थापना दिवस बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

एकजुटता व संघर्ष से ही संगठन मजबूत होता है - दीपक राज सिंघल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का स्थापना दिवस बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक राज सिंघल ने कहा कि यह व्यापार मंडल का स्वर्ण जयंती वर्ष चल रहा है। हम उन व्यापारी नेताओं को श्रद्धांजलि-पुष्पांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने व्यापारियों के संघर्ष में अपनी आहुति दी है। जिनके कारण आज व्यापारी सम्मान पा रहा है व उन्नति कर रहा है। सिंघल ने कहा की एकजुटता व संघर्ष से ही संगठन मजबूत होता है। उन्होंने सभी व्यापारियों से व्यापार हित में सक्रिय योगदान करने का आहवान किया। नगर अध्यक्ष अश्वनी मित्तल, महामंत्री चौधरी सतवीर सिंह, पूर्व अध्यक्ष अरुण गुप्ता, नगर प्रभारी राजन छाबड़ा, नगर कोषाध्यक्ष वरियम खान ने कहा कि आज पंडित श्याम बिहारी मिश्रा जी याद आ रहे हैं जिनके अथक परिश्रम और

संघर्ष के कारण आज शासन-प्रशासन में व्यापार मंडल को सम्मान मिल रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अश्वनी मित्तल ने की एवं संचालन महामंत्री चौधरी सतवीर सिंह ने किया। इंडस्ट्रियल स्टेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में युवा अध्यक्ष रविंद्र चौधरी, युवा महामंत्री विकास पुंडीर, युवा कोषाध्यक्ष अंशुल वर्मा, पूर्व युवा अध्यक्ष अर्जुन सिंघल, अखिल जैन, विजय गिरधर, विजेश कंसल, अनुज गर्ग, राजकिशोर गुप्ता, अमित सोनी, नीरज जैन, मोहम्मद शाहिद आदि लोग उपस्थित रहे।

भगत सिंह वर्मा ने कहा...

अन्नदाता किसानों की समस्याओं को लेकर संघर्ष लगातार जारी रहेगा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने जिला कार्यालय चिलकाना रोड पर एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश के अन्नदाता किसान पिछले 10 महीने से शंभू बॉर्डर, खनोरी बॉर्डर पर डेरा जमाकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के किसानों को सत्ता नहीं चाहिए। अन्नदाता किसानों को तो बस उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य चाहिए। पिछले एक महीने से देश के ईमानदार किसान नेता सरदार जगजीत सिंह ढलेवाल देश के किसानों की समस्याओं के लिए आमरण अनशन पर हैं और मृत्यु के करीब हैं। इसके बावजूद भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हीरो हीरोइन के परिवार से मिलने के लिए समय है देश के अन्नदाता किसानों के लिए उनके पास समय नहीं है। जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि लगातार खाद, बीज, कीटनाशक,डीजल, लेबर और कृषि यंत्रों के महंगे होने के कारण किसानों के लिए खेती महंगी हो गई है। अब खेती से किसानों की गुजर बसर भी नहीं हो पा रही है। देश की युवा पीढ़ी का खेती से मोह भंग होता जा रहा है। जो आने वाले समय के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा कि किसान बचेगा तो देश बचेगा। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश की उन्नति का रास्ता खेतों और खलियानों से होकर गुजरता है। उन्होंने छोटे-छोटे उद्योग लगाकर गांव किसान और खेती को मजबूत करने के लिए काफी काम किया। जिसे आज देश के प्रधानमंत्री मोदी बिल्कुल भूल चुके हैं। उन्हें अन्नदाता किसानों की कोई परवाह नहीं है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि आज समय की सबसे

बड़ी आवश्यकता है कि खेती किसानी को मजबूत करने के लिए किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिल जाए। मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए जाएं, किसानों के सभी कर्ज समाप्त कराए जाएं, एम एस पी को लाभकारी बनाकर गारंटी कानून बन जाए। देश के अन्नदाता किसानों को बचाने के लिए चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के बराबर उनकी आय करने के लिए राष्ट्रीय आय आयोग का गठन किया जाए, गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल तत्काल घोषित किया जाए, चीनी मिलों से बकाया गन्ना भुगतान व पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज तत्काल गन्ना किसानों को दिलाया जाए। देश के भारी भरकम बजट के हिसाब से देश के सभी लोगों के लिए शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क कराई जाए। प्रधानमंत्री मोदी लगातार आंदोलन कर रहे किसानों से बात करके समस्याओं को हल करें। जिससे देश को और किसान को बचाया जा सके। बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी ने की और संचालन प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने किया। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य रजत शर्मा, मंडल प्रभारी दुष्यंत सिंह, मंडल उपाध्यक्ष कृपाल सिंह चौधरी, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, मंडल उपाध्यक्ष सरदार गुलविंदर सिंह बंटी, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान आदि ने भाग लिया।

शाजापुर जय श्री राम सुनहरे भारत का जैसे सुनहरा इतिहास हुआ करता था वैसे ही एक दिन ऐसा भी आएगा कि भविष्य भी बहुत सुंदर और सुनहरा हो सकेगा और इस सपने को सार्थक करने का प्रयास विगत कुछ वर्षों से हमारी मातृशक्ति ने दास दल अखाड़ा के सानिध्य में महिला अखाड़ा शक्ति दल के रूप में परम आदरणीय गुरू जी श्री गोविन्द जी सोनी श्री गौरव जी सोनी श्री अंकित जी सोनी के मार्गदर्शन में शुरू किया है और आगे भी ऐसे ही जोश और साहस से चलता रहेगा और इसी प्रयास का परिणाम आज हनुमान अष्टमी के पावन दिन में आयोजित शोभा यात्रा में देखने को मिला कि देश की नौजवान युवा पीढ़ी जिससे भारत के उज्वल भविष्य की कामना की जाती है वो नौजवान युवा पीढ़ी शोभा यात्रा में डीजे की धुन पर डांस कर रहे थे, थिरक रहे थे और वहीं हमारी मातृशक्ति अपने साहस और जोश की प्रस्तुति दे कर भारत का सुनहरा भविष्य गढ़ने की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ा रही थी। आज की शोभा यात्रा की और भी शोभा बढ़ाने में सभी बालिकाओं की जोश और साहस से भरपूर शानदार जानदार और रौबदार प्रस्तुति

महाविद्यालय में गणित दिवस का आयोजन

उज्जैन

शासकीय महाविद्यालय खाचरोद में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत गणित दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डा लीला बामनिया ने की और अपने वक्तव्य में उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अर्थशास्त्र के महत्व को समझाया ! कार्यक्रम मैं मुख्य वक्ता के रूप में गणित के प्रोफेसर डॉ नदीम अंसारी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को गणित की दैनिक जीवन में उपयोगिता के बारे में बताया और गणित की बुनियादी बातों को उदाहरण से समझाया ! कार्यक्रम में दूसरे मुख्य वक्ता के रूप में डॉ योगेश शुक्ला ने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में अर्थशास्त्र की उपयोगिता से अवगत करवाया ! कार्यक्रम का संचालन डा. भावना पाटीदार ने किया और अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को गणित किस प्रकार से जीवन की धुरी है इस विषय पर प्रकाश डाला ! आभार डॉक्टर प्रशांत राणा ने माना और विद्यार्थियों से बेसिक गणित पर पोस्टर मेकिंग कार्य संपन्न करवाया ! कार्यक्रम में समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति सराहनीय रही !

आप हमारे रोल मॉडल के रूप में गांवों में करें काम.....नेहा मीना

झाबुआ...

आप हमारे रोल मॉडल के रूप में गांव में एक संस्था के रूप में काम करें। हम जिले के सभी अधिकारी हर ग्राम में लोगों की सहायता नहीं कर पाते हैं । परंतु मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के हर कार्यकर्ता में समाज सेवा का जुनून होता है । आपने यहां पर इस प्रशिक्षण के हर पहलू को अच्छे से सीखा है। सभी नवांकुर संस्था को बधाई । ऊक्त संबोधन आज समृद्धि योजना अंतर्गत नवांकुर संस्थाओं के दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आवासीय कार्यशाला के समापन अवसर पर झाबुआ जिला कलेक्टर महोदय नेहा मीना ने व्यक्त किये। इस दौरान आपने सभी नवांकुर को प्रमाण पत्र भी वितरण किये । कलेक्टर महोदय का स्वागत जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर ने किया । स्वागत भाषण देते हुए आपने प्रशिक्षण के सभी सत्रों ओर विषय के बारे में मैडम को विस्तार से बताया। आज प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में सामाजिक अंकेक्षण को लेकर जिला समन्वयक जिला पंचायत झाबुआ से मुकेश चौहान ने विस्तार से बताते हुए इसके विभिन्न पहलूओ पर जानकारी प्रदान की । अशोक पाटीदार जी ने प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए उसके बेस लाइन सर्वे एवं जल संरक्षण के लिए उपयोगिता बताते हुए सभी को प्रशिक्षण दिया। मनरेगा परियोजना समन्वयक से भीमसिंह नाथ द्वारा मनरेगा योजना को विस्तार से बताया और बताया कि इस योजना से अब तक 2 लाख स्ट्रक्चर बनाए जा चुके हैं और वर्तमान वर्ष में 39 लाख मानव दिवस कार्य करवाना है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश जी वर्मा ने सी एसआर फंड के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि हर कंपनी को अपना दो परसेंट इस फंड में देना होता है जो की सामाजिक कार्य में अपना योगदान देती है। साथ ही आपने आदर्श ग्राम की 9 थीम पर भी सभी को सभी नवांकुर को समझाया । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से हेमेंद्र अग्रवाल ने सभी नवांकुर को द्व .ढ्ढ .ह्य ओर दस्तावेजी करण को समझाया। समापन सत्र अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष खे़म सिंह जमरा ने कहा कि आप नवांकुर ग्रामों में सक्रिय रूप से कार्य करे । अंत में सभी नवांकुर ने अपना-अपना अनुभव सभी के सामने शेयर किया ।कार्यशाला का संचालन पेटलावद ब्लॉक समन्वयक प्रवीण पवार एवं कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन झाबुआ ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर ने किया ।

33 वीं पुण्यतिथि फल एवं चॉकलेट वितरण

झाबुआ मेघनगर रोटरी क्लब अपना के वरिष्ठ रोटेरियन भारत मिस्त्री शर्मा के पिता श्री हिम्मत लाल जी मिस्त्री की 33 वीं पुण्यतिथि पर रोटरी क्लब अपना के तत्वाधान में एवं परिवार के सहयोग से एवं रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष महेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में 23 दिसंबर को सरस्वती शिशु मंदिर एवं एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बड़ा घोंसलिया में बच्चों को चॉकलेट वितरण की एवं पडवाल हॉस्पिटल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया इस अवसर पर परिवार के श्रीमती मंजुला शर्मा बाई देवेंद्र मिस्त्री शर्मा प्रांजल शर्मा व रोटरी क्लब के अध्यक्ष महेंद्र सिंह सोलंकी मांगीलाल नायक पंकज रांका रहीम शैरानी फारूक शैरानी आदि उपस्थित रहे।

सभी अधिकारी अपने दायित्वों को शतप्रतिशत गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें

''दिशा'' की बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने दिये निर्देश

हरदा भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्य मंत्री एवं क्षेत्रिय सांसद श्री दुर्गादास उइके की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा'' की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होने उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन शतप्रतिशत निष्ठा एवं गुणवत्ता के साथ करें। बैठक में विधायक डॉ. आर.के. दोगने, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया, अध्यक्ष नगर पालिका टिमरनी श्री देवेन्द्र भारद्वाज, अध्यक्ष नगर पंचायत सिराली श्रीमती अनिता अग्रवाल, कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बंद कार्य तत्काल शुरू कराएं

केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने बैठक में कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के लिये ''दिशा'' समिति की बैठक हर तीन माह में आयोजित की जाती है। उन्होने कहा कि अगली बैठक की तिथि भी शीघ्र ही निर्धारित की जायेगी। उन्होने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया और महाप्रबन्धक को कार्यप्रणाली में सुधार लाने व सड़क निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के लिये कहा। विधायक डॉ. दोगने व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शाह ने भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों के निर्माण कार्य में अनियमितता की शिकायत बैठक में की, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने सड़क निर्माण कार्य में रूचि न लेने वाले ठेकेदारों को ब्लेक लिस्टेड करने के लिये कहा। मंत्री श्री उइके ने कहा कि जिले के जनजाति बहूल क्षेत्रों में पुल पुलिया व सड़कों की जहां भी आवश्यकता हो, वहां के प्रस्ताव व डीपीआर तैयार कर भिजवाने के लिये कहा ताकि केन्द्र सरकार से इसके लिये आवश्यक बजट व स्वीकृति के प्रयास किये जा सकें।

दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व उपकरण वितरण हेतु शिविर लगाएं

मंत्री श्री उइके ने बैठक में सामाजिक न्याय विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि दिव्यांगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम अंग व उपकरण वितरित किये जायें, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि गत दिनों आयोजित शिविर में 137 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व उपकरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वितरित कराये गये है। आगामी माह में इस तरह का शिविर फिर से आयोजित किया जाएगा। मंत्री श्री उइके ने जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल योजनाएं पूर्ण करने के बाद ही पंचायत को हस्तांतरित की जाए और पेयजल पाइप लाइन के कारण जो सड़कें खुदी हुई है, उन्हें तत्काल रिपेयर कराया जाए। कार्यपालन यंत्री पीएचई ने बताया कि जिले में 458 में से 305 पेयजल योजनाएं पूर्ण हो चुकी है तथा 153 योजनाएं प्रगतिरत है। उन्होने बताया कि 15 जनवरी तक सभी पेयजल योजनाओं को पूर्ण कर शतप्रतिशत उपलब्धि हासिल कर ली जाएगी।

किसानों को फसल बीमा की राशि का समय पर भुगतान कराया जाए

मंत्री श्री उइके ने मनरेगा के कार्यो में मजदूरी का भुगतान समय पर कराने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देश दिये कि सड़कों के निर्माण कार्य के दौरान पहले अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए क्योंकि बाद में अतिक्रमण के कारण कई स्थानों पर सड़क निर्माण का कार्य छूट जाता है। बैठक में उन्होने आयुष्मान कार्ड पंजीयन कार्य भी समीक्षा की और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि जिन ग्रामों में नेटवर्क के अभाव में पंजीयन कार्य नहीं हो पाता है, वहां के ग्रामीणों को नेटवर्क क्षेत्र वाले गांवों में लाकर विशेष शिविर आयोजित कर उनके पंजीयन कराएं व उनके आयुष्मान कार्ड बनवाएं। मंत्री श्री उइके ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि फसल बीमा की राशि किसानों को समय पर भुगतान की जाए। उन्होने विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों से जिले के सभी स्कूलों व आंगनवाड़ियों में विद्युत कनेक्शन के लिये भी कहा।

खरीदी गई वस्तुओं का बिल अवश्य खरीदें

राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जिला स्तरीय उपभोक्ता कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विदिशा

राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर आज जिला स्तरीय उपभोक्ता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उचित मूल्य दुकान जागृति महिला प्राथमिक उपभोक्ता भंडार दुर्गा चैक, तलैया मोहल्ला विदिशा में हुआ। कार्यक्रम में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने नाप-तौल विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा लगाये गये स्टॉल एवं प्रदर्शिनों का सूक्षमता से निरीक्षण किया एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री संजय दिवाकीर्ति, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, राकेश शर्मा, पार्षद श्री अशोक साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा श्री ओम प्रकाश चतुर्वेदी म.प्र. उपभोक्ता मंच, श्री अजय टंडन एवं श्री विनोद शाह, ग्राहक हितैषी मंच व श्री अतुल शाह वरिष्ठ समाज सेवी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों को तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू एवं नाप-तौल निरीक्षक श्री सतपाल शर्मा, श्री संदीप श्रीवास्त खाद्य एवं औषधि प्रशासन, बैंक अधिकारी श्री अविनाश कुमार व विद्यत विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। विधायक श्री टंडन ने उपने उद्धबोधन में कहा कि हर साल वे इस आयोजन में शामिल होते हैं, उन्होंने बताया कि दैनिक जीवन में सभी उपभोक्ता हैं और सभी को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिये। उपभोक्ताओं को वस्तु खरीदते समय बिल अवश्य लेना चाहिये एवं छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिये। वर्तमान में काफी सारी दैनिक उपभोग की वस्तुएं पैक्ड आती हैं जो कि निर्धारित मात्रा की होती हैं जिस कारण, अब उपभोक्ताओं को ठगा जाना संभव नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाई विभिन्न योजनाओं से उपभोक्ताओं को अवगत कराया। उनके द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की भी जानकारी सांझा की गई। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने एक उपभोक्ता के रूप में आम जन को क्या अधिकार प्राप्त हैं, उपभोक्ता कानून की शुरूआत कैसे की गई का संक्षिप्त विवरण एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता प्रतितोषण एवं समाधान संबंधी संपर्क सूत्रों सहित विस्तृत जानकारी से उपभोक्ताओं को अवगत कराया गया। श्री ओम प्रकाश चतुवेर्दी द्वारा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने एवं अधिकारों के लिये तत्पर रहने संबंधी विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया गया। श्री विनोद शाह अध्यक्ष ग्राहक पंचायत संगठन ने उक्त आयोजन को व्यापक रूप से मनाये जाने की बात कही। उन्होंने बताया कि शिकायतें करने के लिये बहुत माध्यम हैं परंतु उपभोक्ताआ, जानकारी के अभाव में अपनी समस्या का निराकरण नहीं कर पाते। उनके द्वारा उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों का पूर्ण निराकरण कर संबंधित उपभोक्ता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने हेतु बात कही गई। उनके द्वारा बताया गया कि अगर किसी भी तरह के डिजीटल फ्रॉड होने पर 48 घंटे के भीतर उसकी शिकायत नजदीकी थाने में की जाये तो संबंधित बैंक द्वारा उक्त राशि उपभोक्ता को वापिस की जानी चाहिये। किसी भी मेडी क्लेम में पहले वो हास्पिटल आते थे जो कि बीमा कंपनी के नेटवर्क में होते थे परंतु एक उपभोक्ता के लिये उनके सतत् प्रयास के बाद बीमा कंपनी के मेडीक्लेम के अंदर अपने मनचाहे हास्पिटल में कैशलेस इलाज की सुविधा देनी होगी बशर्ते सूचना इलाज के तीन घंटे पहले दी जानी चाहिये। एसबीआई अधिकारी श्री अविनाश कुमार मुख्य मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि कैसे ऑनलाईन फ्रॉड से बचा जाए। उनके द्वारा बताया गया कि कोई भी बैंक किसी भी तरह की लिंक उपभोक्ताओं को नहीं भेजती है। अगर ऐसी कोई लिंक किसी उपभोक्ता को आती है तो वह इस लिंक पर क्लिक न करें। कई बार ऐसी लिंक में वायरस होते हैं जो कि उपभोक्ता के पूरे मोबाईल को हैक कर डेटा चोरी कर लेते हैं। उपभोक्ताओं को बैंक की ऑनलाईन सर्विस का उपयोग किये जाने हेतु संबंधित बैंक का ऐप ही इस्तेमाल किये जाने की सलाह दी गई। श्री सागर पात्रा प्रतिनिधि यूट्रिशियन इंटरनेशनल द्वारा अवगत कराया गया कि में देश में 10 में से 5 सदस्य एनीमिया से ग्रसित हैं जिसको देखकर वर्तमान में शासन द्वारा समस्त शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से मिलने वाले चावल फोर्टिफाईड किया गया है एवं नमक आयोडीन युक्त होकर आयरन युक्त भी है। उक्त चावल एवं नमक के उपयोग से उपभोक्ता के दैनिक जीवन में प्राप्त होने वाला आयरन एवं आयोडीन की मात्रा पूर्ण की जा सकती है। उक्त चावल सादा चावल में मिश्रित किये जाते हैं। ध्यान से देखने से पर यह चावल सामान्य चावल से भिन्नता रखते हैं परंतु उक्त फोर्टिफाईड चावल सादा चावलों से अलग नहीं है। कार्यक्रम के अंत में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती मिताली मेहरा द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

पाकिस्तान से प्रशिक्षित आतंकी जावेद मुंशी भारत-बांग्लादेश सीमा के पास गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस करेगी पूछताछ

पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष कार्यबल ने एक पाकिस्तान से प्रशिक्षित आतंकवादी जावेद मुंशी को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास दक्षिण 24 परगना जिले के कन्निंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी एक खुफिया सूचना के आधार पर की गई, जब स्ञ्जस्न ने उसे सीमा के पास स्थित इलाके में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, जावेद मुंशी को पहले से ही बांग्लादेश में घुसपैठ करने की योजना थी। वह लश्कर-ए-तैयबा और तहरीक-उल-मुजाहिदीन से जुड़ा हुआ है और उसकी आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी रही है।

जावेद मुंशी एक विशेषज्ञ है जो आईईडी और हथियारों के इस्तेमाल में माहिर है। उसके खिलाफ जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। विशेष रूप से, 2011 में शौकत शाह नामक अहल-ए-हदीथ के नेता की हत्या में मुंशी का कथित रूप से हाथ था। इसके अलावा, मुंशी को विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों के लिए कई बार जेल भी भेजा जा चुका है। गिरफ्तारी के बाद की प्रारंभिक जांच में मुंशी ने स्वीकार किया कि उसने बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान का दौरा किया था। उसने यह सब अपने पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देशों पर किया था और फर्जी पाकिस्तानी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था।

इससे यह भी साफ हुआ कि वह अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने में माहिर था और विभिन्न देशों में आतंकवादी गतिविधियों के लिए संपर्क बनाए रखता था। मुंशी की गिरफ्तारी के बाद उसे जम्मू और कश्मीर पुलिस को सौंप दिया गया। जम्मू और कश्मीर पुलिस उसे कश्मीर में ले जाएगी और वहां आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच के लिए उसे ट्रांजिट रिमांड पर लिया जाएगा। यह गिरफ्तारी भारत में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों और सीमा पार से होने वाले आतंकवादी घुसपैठों के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

तुर्किये की शस्त्र फैक्टरी में विस्फोट

कम से कम 12 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। उत्तर पश्चिम तुर्किये में एक आयुध कारखाने में मंगलवार को सुबह विस्फोट होने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई तथा चार लोग घायल हो गए। सरकारी अनादोलू एजेंसी के अनुसार बालिकेसिर प्रांत में स्थित कारखाने में कैप्सूल विनिर्माण इकाई में यह विस्फोट हुआ। प्रांत के गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने कहा कि विस्फोट से कैप्सूल विनिर्माण इकाई क्षतिग्रस्त हो गई और आसपास की इमारतों में भी दरार पड़ गई। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने पुष्टि की कि घटना सुबह 8ः25 बजे हुई, जिसमें विस्फोट की ताकत से संयंत्र का एक हिस्सा ढह गया।गवर्नर उस्ताओग्लू ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मैं हमारे मृत नागरिकों पर ईश्वर की दया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रारंभिक रिपोर्टों में घायलों की संख्या 4 बताई गई थी, जिसे बाद में संशोधित कर 5 कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि घायलों की हालत स्थिर है और चोटें जानलेवा नहीं हैं।

घटना के दौरान फैक्ट्री के अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, और आग पर काबू पा लिया गया है। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि विस्फोट के कारण का अभी तक पता नहीं चल सका है। उन्होंने कहा, हम इसकी जांच कर रहे हैं और विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्रीनलैंड पर कब्जे की फिराक में ट्रम्प !

बोले- अमेरिका की सुरक्षा के लिए ये जरूरी, मिला करारा जवाब-हम बिकाऊ

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2019 में ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव रखा था, और अब एक बार फिर उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त की है। ट्रम्प का कहना है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है। ग्रीनलैंड, जो डेनमार्क का एक स्वायत्त क्षेत्र है, ने ट्रम्प के इस प्रस्ताव को सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि हम बिकाऊ नहीं हैं और न कभी होंगे। हमें अपनी स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष को खोने का कोई कारण नहीं है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने यह बयान दिया।

यह पहली बार नहीं है कि ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जताई है। इससे पहले, 2019 में भी उन्होंने ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव डेनमार्क को दिया था, जिसे डेनमार्क ने अस्वीकार कर दिया था। ग्रीनलैंड, जो दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, लगभग 21 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां की अधिकांश भूमि बर्फ से ढकी हुई है, और यह जलवायु परिवर्तन से जूझ रहा है। ग्रीनलैंड में कई महत्वपूर्ण खनिज जैसे नियोडायनियम, प्रासियोडायमियम, और यूरेनियम हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए जरूरी हैं।

इसके अलावा, यहां की बढ़ती सामरिक और आर्थिक अहमियत के कारण कई देश, विशेषकर चीन, खनन कार्यों में भागीदार हैं।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब अमेरिका ने ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जताई है। 1946 में अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने भी डेनमार्क से ग्रीनलैंड को 10 करोड़ डॉलर में खरीदने का प्रस्ताव दिया था। अभी ग्रीनलैंड में अमेरिकी वायुसेना का एक अड्डा है, जहां करीब 600 सैनिक तैनात हैं। ट्रम्प ने हाल ही में पनामा नहर को फिर से अमेरिकी नियंत्रण में लेने की भी धमकी दी थी, जिसे पनामा के राष्ट्रपति ने सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि पनामा की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

अफगानिस्तान में भारतीय वाणिज्य दूतावास कर्मचारियों के वाहन पर हमला

इंटरनेशनल डेस्क। अफगानिस्तान के जलालाबाद में भारतीय वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों के एक वाहन पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया, जिससे एक अफगान कर्मचारी घायल हो गया। यह घटना मंगलवार को हुई, जब दूतावास का एक वाहन स्थानीय अफगान कर्मचारियों को लेकर जा रहा था और उसे निशाना बनाया गया। गौरतलब है कि भारतीय वाणिज्य दूतावास जलालाबाद को भारतीय सरकार ने 2020 में सुरक्षा कारणों से असक्रिय कर दिया था। उस समय के बाद से दूतावास के संचालन को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था, लेकिन एक छोटा सा अफगान कर्मचारी दल दूतावास के कुछ सीमित कार्यों को देख रहा था। इस दल का काम मुख्य रूप से दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करना और कुछ मामूली कार्यों का संचालन करना था। भारत ने अफगानिस्तान में पूर्व राष्ट्रपति अशरफ घानी के शासन के दौरान बड़ी संख्या में विकास परियोजनाओं में निवेश किया था। लेकिन 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद, और अमेरिकी सेना की वापसी के बाद, भारत ने अफगानिस्तान में अपनी सभी वाणिज्य दूतावासों को बंद कर दिया। इस घटना के बावजूद, भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता जारी रखी है। हालांकि भारत तालिबान शासन को आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं देता है, फिर भी अफगान जनता के लिए भारत ने गेहूं, दवाइयां और चिकित्सा आपूर्ति भेजी है। फिलहाल, भारत का एकमात्र सक्रिय दूतावास काबुल में स्थित है। सूत्रों के अनुसार, इस हमले के बाद भारतीय दूतावास और अफगान सरकार के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। हालांकि, अब तक इस हमले के पीछे के कारणों का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

रामपुर में आतंकियों के शव लेकर जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त

कड़ी सुरक्षा में पंजाब भेजे गए शव

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में मंगलवार रात एक दिलचस्प घटना घटी जब आतंकियों के शव लेकर पंजाब जा रही पुलिस की एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा अजीतपुर बाइपास पर हुआ जो सिविल लाइंस और शहजादपुर थाने की सीमा पर स्थित है। हादसे के समय एंबुलेंस में खालिस्तान समर्थक तीन आतंकियों के शव थे जो पोस्टमॉर्टम के बाद पंजाब के गुरदासपुर भेजे जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना रात करीब 11ः45 बजे हुई जब एंबुलेंस को सामने से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मारी और फिर वह वाहन वहां से निकल गया। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई लेकिन एंबुलेंस का रेडिएटर फट गया और वाहन में पानी लीक होने लगा। हादसे के बाद सिविल लाइंस और शहजादनगर थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस को दूसरा वाहन मिलने में करीब 45 मिनट का वक्त लगा जिसके बाद शवों और पुलिस टीम को आगे के लिए रवाना किया गया। बता दें कि इससे पहले मंगलवार शाम करीब 8 बजे पीलीभीत से पोस्टमॉर्टम के बाद तीन आतंकियों के शव कड़ी सुरक्षा के बीच पंजाब के लिए रवाना किए गए थे। शवों के साथ पंजाब पुलिस का अतिरिक्त फोर्स भी था और परिजनों के साथ शव को रवाना किया गया।

माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जरूरी खबर, जाने से पहले जरा ध्यान दें...

पंजाब डेस्क. माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जरूरी खबर है। दरअसल, प्रस्तावित कटड़ा-सांझी छत रोपवे प्रोजैक्ट के मामले को लेकर जिला प्रशासन के साथ श्री वैष्णो देवी संघर्ष समिति की हुई बैठक बेनतीजा रही, जिसके बाद संघर्ष समिति ने बुधवार से 72 घंटे के लिए हड़ताल करने का ऐलान कर दिया।

ऐसे में कटड़ा सहित वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर सभी निजी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। वहीं दूसरी ओर यात्रा मार्ग सहित आधार शिविर कटड़ा में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सौजन्य से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जारी सुविधाएं निरंतर जारी रहेंगी। सी.ई.ओ. श्राइन बोर्ड अंशुल गर्ग के अनुसार श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड मां भगवती के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं को हर उचित सुविधाएं देने का प्रयास कर रहा है। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके लिए हर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

क्रिसमस पर यात्रियों को बड़ा झटकाः अमेरिकन एयरलाइन्स ने रोक दी अपनी सारी उड़ानें

इंटरनेशनल डेस्क। क्रिसमस पर यात्रियों को बड़ा झटका देते हुए अमेरिकन एयरलाइन्स ने अपनी सारी उड़ानों पर रोक लगा दी है। अमेरिकन एयरलाइन्स ग्रुप इंक. ने घोषणा की है कि उसे सभी फ्लाइट्स में तकनीकी समस्याएं आ रही हैं, जिससे एक व्यस्त यात्रा दिन पर संचालन में गड़बड़ी हो रही है। इसने घोषणा की कि फ्लाइट्स को पूरे देश में रोक दिया गया है। यह घटना खासकर क्रिसमस और छुट्टियों के मौसम में आई है, जब यात्री बड़ी संख्या में यात्रा कर रहे हैं। एयरलाइन ने ट्विटर पर एक बयान जारी करते हुए कहा, हम फिलहाल सभी अमेरिकन एयरलाइन्स फ्लाइट्स में तकनीकी समस्या का सामना कर रहे हैं। आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोत्तम प्राथमिकता है, और जैसे ही यह समस्या हल होगी, हम आपको सुरक्षित रूप से आपके गंतव्य तक पहुंचा देंगे। हालांकि, एयरलाइन ने इस समस्या के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी है और न ही समस्या के समाधान का कोई अनुमानित समय दिया। कुछ ऑनलाइन पोस्ट्स में यह भी बताया गया कि एयरलाइन को एक सॉफ्टवेयर आउटेज का सामना हो रहा है, जिसकी वजह से फ्लाइट्स के वजन और संतुलन की गणना नहीं हो पा रही है। यह फ्लाइट संचालन के लिए जरूरी प्रक्रिया है और इससे फ्लाइट्स को सुरक्षित रूप से उड़ने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। एयरलाइन ने एक अलग पोस्ट में यह भी बताया कि वे इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल किसी निश्चित समय सीमा का अनुमान नहीं दिया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने भी इस मामले को लेकर एक सलाह जारी की, जिसमें कहा गया कि अमेरिकन एयरलाइन्स ने पूरे देश में अपनी सभी फ्लाइट्स को ग्राउंड कर दिया है। इसके चलते यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना का एयरलाइन के शेयरों पर भी असर पड़ा है। अमेरिकन एयरलाइन्स के शेयर प्रीमार्केट ट्रेडिंग में 3.8त्न तक गिर गए, जिससे निवेशकों के बीच चिंता का माहौल बना है। यह घटना खासतौर पर छुट्टियों के दौरान एक बड़े यात्रा सीजन में आई है, जब लाखों लोग अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर यात्रा कर रहे हैं। फ्लाइट्स के ग्राउंड होने से हजारों यात्री प्रभावित हुए हैं, और एयरलाइन की ओर से जल्द समाधान की उम्मीद की जा रही है। अमेरिकन एयरलाइन्स ने यह भी बताया कि वे सभी यात्रीयों को उनकी फ्लाइट्स के लिए नए विवरण देने के लिए काम कर रहे हैं और किसी भी उड़ान के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह घटना अमेरिकन एयरलाइन्स के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि एयरलाइन के लिए सबसे व्यस्त समय में फ्लाइट संचालन में रुकावट आ रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569